@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 25 मई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 200 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

●अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा-

भारत संघर्ष की बजाय कूटनीति का समर्थक

एजेंसी

नई दिल्ली ।नई दिल्ली, 24 मई (हि.स.)। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह संघर्ष के बजाय बातचीत और कूटनीति का समर्थक है। भारत सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान, विश्वसनीय सप्लाई चेन और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर जोर देता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत संसाधनों और बाजार हिस्सेदारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी 140 अरब की आबादी की ऊर्जा जरूरत के प्रति समर्पित है और विविध स्रोतों से किफायती ईंधन खरीदने का पक्षधर है। साथ ही वैश्विक संघर्षों के बीच रक्षा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 'मेक इन इंडिया' की नीति को विशेष महत्व देता है। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी पक्ष की भारत के साथ वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर विचार-विमर्श हुआ है। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच जल्द अंतरिम व्यापार समझौते की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे आगे व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच न्यूक्लियर सहयोग, दुर्लभ खनिज और एआई क्षेत्र में भी सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

●जयशंकर ने कहा कि भारत अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पिछले एक वर्ष में अमेरिका से भारत के ऊर्जा आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोत जरूरी हैं और अमेरिका भारत के लिए विश्वसनीय ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच लोगों के आपसी संबंध साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने वैध यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान बनाए रखने पर जोर दिया। जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई और 26/11 हमले के प्रमुख साजिशकर्ता के प्रत्यर्पण पर अमेरिका के सहयोग की सराहना की।

जयशंकर ने कहा कि भारत अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है। भारत क्षेत्रीय संबंधों को 'जीरो-सम' की दृष्टि से नहीं देखता और सभी साझेदारियों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों की गति बरकरार है। भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और दोनों लोकतांत्रिक देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का किसी अन्य देश के साथ संबंध भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी की कीमत पर नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत उन्नत तकनीकी क्षमताओं वाला महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। दोनों लोकतांत्रिक देश 21वीं सदी की अत्याधुनिक तकनीकों, वैश्विक नवाचार और साझा राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी जी जान से जुटें कार्यकर्ता: मायावती

●यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता कोई कसरन छोड़े और पूरे जी जान से वोट की सुरक्षा करें।

बसपा प्रमख मायावती ने रविवार को यहां 12 माल एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कोआर्डिनेटर और जिलाध्यक्षों के साथ एक बैठक की। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव जिस प्रकार की नई–नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं, उसको देखते हुए पार्टी की तैयारियों के हर स्तर पर और भी चुस्त–दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत है। ताकि पार्टी के पक्ष में बढ़ते हुए जन रुझान के फलस्वरूप यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने का मिशनरी लक्ष्य सुनिश्चित हो सकें। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सन 2007 की तरह पूरी तरह डटकर विरोधियों का सामना करना है और प्रत्याशियों के चयन में सावधानी बरतनी होगी। प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए मायावती ने कहा कि पूरी जी जान से वोट की सुरक्षा करना है। मायावती ने कहा कि अभी हाल में ही सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जो कुछ हुआ व जिस प्रकार से हुआ उसका संज्ञान लेने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब राज्य में अगले वर्ष विधानसभा का चुनाव होना है। पिछले चुनाव से सबक सीखकर आगे बढ़ना होगा, जब खासकर सत्ताधारी पार्टी व सरकारें वादों आदि की खानापूर्ति करने तथा अन्य प्रकारों की अभूतपूर्व तरीके से चुनाव प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं। इसके बाद वो लोग जन हितैषी गवरनेंस की बजाय ज्यादातर ध्यान भटकाने वाले कार्यकलापों के कारण फिर जनता अपने आपकों काफी ठगा हुआ महसूस करने लगती है, किंतु उसका क्या लाभ जब चिड़िया चुग गई खेत। बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टियां चुनाव के समय जनहितैषी और जनकल्याणकारी होने का ढिंढोरा पीटती है और उससे धन लुटाती है।

आसमान से बरती आग!...

नई दिल्ली में लोग धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए सिर पर कैप और स्कार्फ लगाए दिखे।

आगरा के ताजमहल में गर्मी के बीच एक बुजुर्ग पर्यटक पानी पीता नजर आया।

कंचनगंगा में हिमस्खलन
कोई नुकसान नहीं, प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ यात्रा के दौरान कंचनगंगा क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना सामने आई है। घटना के दौरान आसपास मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि प्रशासन का कहना है कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि अथवा संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। चमोली जिलाधिकारी गौरव कुमार ने रविवार को बताया कि हिमस्खलन सड़क तक नहीं पहुंचा और खाई क्षेत्र में ही रुक गया, जिससे यातायात एवं आम जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पर्वतीय क्षेत्रों में समय-समय पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और संबंधित विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। चारधाम यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और यात्रा व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संचालित की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। जानकारी के अनुसार, बढ़ते तापमान के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ तेजी से पिघल रही है, जिससे हिमखंडों के टूटने और नीचे खिसकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। गर्मियों के दौरान कंचनगंगा और आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार की प्राकृतिक घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

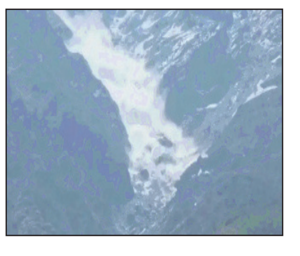

इबोला संकट से निपटने के लिए भारत ने अफ्रीका को भेजी चिकित्सा सहायता की पहली खेप

● 'उभरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अफ्रीका में तेजी से फैल रहे इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किटों की पहली खेप रविवार को रवाना कर दी। यह सहायता अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को भेजी गई है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत उभरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, 'इबोला संकट से निपटने में अफ्रीका का समर्थन करने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' भारत द्वारा भेजी गई इस सहायता में चिकित्सा उपयोग की आवश्यक सामग्री, सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष सुरक्षा किट शामिल हैं। इन संसाधनों का उपयोग प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। अफ्रीका के कई हिस्सों में इबोला संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसे समय में भारत की यह पहल वैश्विक एकजुटता और साझेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इबोला जैसी संक्रामक बीमारी से निपटने के लिए त्वरित चिकित्सा सहायता, सुरक्षा उपकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अत्यंत आवश्यक हैं। भारत पहले भी विभिन्न देशों को स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान दवाइयां, वैक्सीन और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराता रहा है। भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर आने वाले दिनों में अतिरिक्त सहायता सामग्री भी भेजी जा सकती है, ताकि प्रभावित देशों को राहत और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिल सके।

कर्नाटक दौरे पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

●संगठन मजबूती और चुनावी रणनीति पर मंथन

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कर्नाटक पहुंचे नितिन नवीन का राज्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। शनिवार देर रात बेंगलुरु पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से लेकर पार्टी कार्यालय तक कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। रविवार सुबह नितिन नवीन ने पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के आमंत्रण पर उनके आवास पहुंचकर नाश्ता बैठक में हिस्सा लिया। करीब एक घंटे तक चली इस मुलाकात में राज्य में भाजपा संगठन को और मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों तथा चुनावी तैयारियों को लेकर अनौपचारिक चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले आज नितिन नवीन ने बेंगलुरु के प्रसिद्ध काडु मल्लेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और राज्य की समृद्धि एवं भाजपा की संगठनात्मक सफलता की कामना की। मंदिर में दर्शन के दौरान स्थानीय नेताओं और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में नितिन नवीन की अध्यक्षता में कई अहम बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में पार्टी के वर्तमान और पूर्व विधायक, सांसद, विधान परिषद सदस्य और विभिन्न पदाधिकारी शामिल हुए। अलग-अलग सत्रों में नेताओं से संगठन की स्थिति, जनसंपर्क अभियान और आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर फीडबैक लिया गया।

शाम को होने वाली भाजपा राज्य कोर कमेटी की बैठक को राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन विस्तार, आगामी चुनावों की रणनीति, युवा और महिला मोर्चा की सक्रियता तथा कार्यकर्ताओं के समन्वय जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक ढांचे को और धार देने की तैयारी में जुटा है। अपने कर्नाटक दौरे को लेकर नितिन नवीन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि बी.एस. येदियुरप्पा ने कर्नाटक में भाजपा के विस्तार और संगठन को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान दिया है।

राहुल गांधी के एक साल में सरकार गिरने वाले बयान पर भाजपा हमलावर

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अगले एक वर्ष में मोदी सरकार गिरने वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के बयान को देश में अराजकता फैलाने की साजिश बताया। पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान देश के खिलाफ कांग्रेस और विपक्षी दलों के तथाकथित टूलकिट एजेंडे की ओर इशारा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से भाजपा को पराजित नहीं कर पा रही है, इसलिए अब देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की जनता के दिलों से हटाना संभव नहीं है और जनता कांग्रेस की राजनीति को भलीभांति समझती है।

भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि यह लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी देश की प्रगति के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और राहुल गांधी पहले भी कई बड़े दावे कर चुके हैं, लेकिन उनका कोई असर नहीं हुआ। शाहनवाज ने कहा कि इस प्रकार की भाषा देशहित में नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि कुछ नेता विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करते हुए देश के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने अपनी विचारधारा और पहचान से समझौता कर लिया है। केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने राहुल गांधी के बयान को महत्वहीन बताते हुए कहा कि राहुल गांधी कब क्या बोलेंगे, यह उनकी पार्टी के लोगों को भी नहीं पता होता।

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी मामले में अजय राय की मुश्किलें बढ़ीं, वाराणसी में भी दो केस दर्ज

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित अभद्र टिप्पणी मामले में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वाराणसी के चौक थाने में अजय राय के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। महिला व्यापार मंडल नेता सुनीता सोनी और आर्यन पंड्या की तहरीर पर अजय राय के खिलाफ केस दर्ज किए गए। इससे पहले महोबा में भी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके अभद्र बयान को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, अजय राय ने वायरल वीडियो को एआई जनरेटेड बताते हुए अपना बयान होने से इनकार किया है। बता दें कि पीएम मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी से न सिर्फ अजय राय को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है बल्कि कांग्रेस पार्टी भी सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आई है। सोशल मीडिया यूजर्स ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी की नैतिकता और मूल्यों पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

1 नवंबर को पंजाब डे पर होगा भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़। पंजाब के खेल प्रेमियों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐलान किया है कि पंजाब पहली बार प्रतिष्ठित एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहा है। इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण 1 नवंबर (पंजाब डे) को होने वाला भारत और पाकिस्तान का रोमांचक मैच होगा।

जालंधर और मोहाली में होंगे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

मुख्यमंत्री ने खेल विभाग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया कि इस बड़े इवेंट के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से तैयार है। इस आयोजन से जुड़ी कुछ अहम बातें इस प्रकार हैं- आयोजन की तारीखें- टूर्नामेंट का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच करवाने की तैयारी चल रही है। इसका विस्तृत शेड्यूल जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। पूर्ण सहयोग का भरोसा- सीएम भगवंत मान ने इस शानदार आयोजन के लिए खेल विभाग और आयोजकों को राज्य सरकार की तरफ से पूर्ण सहयोग और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमेशा से हॉकी की नर्सरी रहा है और देश को कई महान खिलाड़ी दिए हैं। राज्य की धरती पर इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन हमारे युवाओं में नई ऊर्जा भरेगा और उन्हें खेलों की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

टीएमसी को मिला 'तृणमूल भवन' खाली करने का नोटिस, इमारत मालिक ने दिया सुरक्षा कारणों का हवाला

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को पूर्वी कोलकाता स्थित पार्टी के अस्थायी मुख्यालय 'तृणमूल भवन' को खाली करने का नोटिस मिला है। ईएम बाईपास के पास टॉपसिया इलाके में स्थित किराए की उस बहुमंजिला इमारत के मालिक ने पार्टी से इमारत खाली करने को कहा है। यह इमारत पिछले कुछ वर्षों से तृणमूल कांग्रेस का मुख्यालय रही है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद इमारत के बाहर हुई तोड़फोड़ की घटनाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इस आलीशान बहुमंजिला इमारत के मालिक मोंटू साहा हैं। वह राज्य की जानी-मानी कंपनी 'मॉडर्न डेकोरेटर्स' के प्रमुख हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने मौखिक रूप से तृणमूल नेतृत्व को इमारत खाली करने के बारे में सूचित किया है। साहा ने यह भी स्पष्ट किया है कि इमारत खाली करने के लिए समय सीमा तय कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उनकी तृणमूल नेतृत्व से बातचीत हुई थी और पार्टी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले दो महीनों के भीतर इमारत पूरी तरह खाली कर दी जाएगी। हाल के दिनों में राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है। हालांकि, मोंटू साहा ने कहा कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद, दबाव या अन्य कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद उस इमारत के बाहर बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई थी। अगर इमारत को कोई नुकसान पहुंचता है, तो उसका नुकसान मुझे ही होगा। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। साहा ने कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से सुरक्षा कारणों से तृणमूल से इमारत खाली करने को कहा था और पार्टी के प्रति उनकी कोई निजी रंजिश नहीं है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि तृणमूल नेतृत्व ने हमेशा समझौते के अनुसार किराया चुकाया है। इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में सत्ता बरकरार रखने के बाद तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व ने टॉपसिया इलाके में स्थित पार्टी के मुख्य कार्यालय के नवीनीकरण का फैसला किया था। पुरानी इमारत को गिराकर उसकी जगह एक आधुनिक बहुमंजिला इमारत बनाई गई। इसी कारण 2022 में ईएम बाईपास के महानगरीय इलाके में स्थित एक इमारत को वैकल्पिक कार्यालय के तौर पर किराए पर लिया गया था।

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतने सालों बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई 卐ऑपरेशन अंतिम प्रहार卐 के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद शिफ्टिंग पर निर्णायक मंथन तेज

- 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने पर चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक माहौल के बीच कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनैशनल एयरपोर्ट परिसर में स्थित 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने का मामला फिर से गरमा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी, जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच लगातार हो रही बैठकों के बाद बकरीद के बाद इस पर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला आने की संभावना है। यह घटनाक्रम सिर्फ एक धार्मिक स्थल या हवाईअड्डे के विस्तार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे बंगाल की बदलती राजनीति का एक महत्वपूर्ण संकेत भी माना जा रहा है, जहां वर्षों से लंबित संवेदनशील मामलों को अब गति मिल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मस्जिद एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल से लगभग 150 मीटर अंदर और सेकेंडरी रनवे से मात्र 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस निकटता के कारण सेकेंडरी रनवे का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो हवाईअड्डे की सुरक्षा और परिचालन क्षमता के लिए एक चुनौती है। भाजपा लंबे समय से सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्राथमिकता देती रही है और अब राज्य एवं केंद्र की सोच में तालमेल दिखने से ऐसे कई पुराने और विवादित प्रोजेक्ट्स को गति मिल सकती है।

तकनीकी खराबी के बाद प्रशिक्षण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब प्रशिक्षण उड़ान पर निकले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलटों ने जलाली क्षेत्र के पास विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई। जानकारी के अनुसार धनीपुर एयरपोर्ट से पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई। सुबह करीब 11 बजे पायलटों ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक छिपे ठिकाने का पर्दाफाश किया है। इसी के साथ ही बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई निलसर कांडी इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन तथा 09 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन बरामद हुए। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं।

कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है: पूनावाला

–मुसलमान के साथ अन्याय वाले राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के मुस्लिम नेताओं से बैठक में एक ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं को अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाने और उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि अगर किसी मुसलमान के साथ अन्याय होता है तो उन्हें केवल 'अल्पसंख्यक' समूह के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि विशेष रूप से एक 'मुसलमान' के रूप में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसी के साथ राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि अगर दलितों, ओबीसी या सामान्य वर्ग के सदस्यों पर हमले होते हैं तो उस विशिष्ट समुदाय की स्पष्ट रूप से पहचान करके इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जिस तरह से मुसलमानों के संदर्भ अपनी बात रखी उस पर राजनीति गरमा गई। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला।

पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के इस कमेंट से कांग्रेस और उनके नेता के माइंडसेट का पता चलता है। इससे ये भी साफ होता है कि कांग्रेस मुस्लिमों की पार्टी है। बीजेपी नेता ने कहा कि हिंदू को दो गाली, मुस्लिम की लो ताली, ये है वोट बैंक की कांग्रेस की प्रणाली। उन्होंने अपनी बात रखते हुए केरल के नए सीएम सतीशन का भी जिक्र किया। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी को गद्दार कहा था, जिसके बाद उनके करीबी सहयोगी अजय राय ने कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने दावा किया कि ऐसा एआई या अन्य कारणों से हुआ था। उनके पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह गलत भाषा से भरा हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ 150 से ज्यादा गलत टिप्पणियां की हैं, क्योंकि वह ओबीसी और गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। इसी वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

भारत-ओमान सेना प्रशिक्षण से रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मिलेगी और मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ओमान ने ओमान के सुल्तान के सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण टीमों द्वारा आयोजित एक विशेष सैन्य प्रशिक्षण पहल के जरिए अपनी बढ़ती रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत किया। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के अधिकारियों ने भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मियों के साथ मिलकर किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य परिचालन समन्वय और संयुक्त रसद तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एकीकृत रक्षा स्टाफ के मुख्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत-ओमान रक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाना भारतीय रक्षा मुख्यालय और तीनों सेनाओं के अधिकारियों से युक्त दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण दल ने ओमान के सुल्तान की सशस्त्र सेना के कर्मियों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया। ओमान की शाही सेना, शाही नौसेना, शाही वायु सेना और रक्षा मंत्रालय के करीब 110 अधिकारियों ने परिचालन और संयुक्त रसद प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता और भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ किया। यह घटनाक्रम विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा 18 मई को ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद अल बुसैदी से हुई टेलीफोन पर बातचीत के कुछ दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के साथ-साथ भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर बात की थी।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: 11 घंटे का लंबा इंतजार और दर्शन सिर्फ डेढ़-दो सेकंड के

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में इस समय रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ के कारण भक्तों को दर्शन के लिए 10 से 11 घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड और भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं को गर्भगृह में केवल डेढ़ से दो सेकंड तक ही रुकने का अवसर मिल पा रहा है।

जानकारी अनुसार हर दिन करीब 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रशासन और मंदिर समिति के सामने व्यवस्थाएं संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। भीड़ के चलते गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 27 किलोमीटर के रास्ते पर लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं को यह दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे तक का समय लग रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था लागू की है, लेकिन यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से दबाव बना हुआ है।

दर्शन का समय बढ़ाकर 22 घंटे किया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 22 घंटे कर दिया है। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए टोकन व्यवस्था भी लागू की गई है, हालांकि कई बार यात्रियों की अनियंत्रित संख्या के कारण यह व्यवस्था प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुझाव

श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर जाने से पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य ही करवाएं। जो यात्री लंबी पैदल यात्रा या भीड़ से बचना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा सेवा के माध्यम से हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर सकते हैं। इसी के साथ ही श्रद्धालु विशेष पूजा या वीआईपी दर्शन सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं, जिससे लंबी कतारों से बचने में मदद मिल सकती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तड़के सुबह या दोपहर में कपाट बंद होने के बाद शाम के समय दर्शन के लिए अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सकती है।

देश में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं: उदयनिधि

– कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए, हमारे से उन्होंने धोखा किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर हमला बोला। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दिया। उदयनिधि ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकर्ताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है।

उदयनिधि ने धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच विधायकों की जीत डीएमके कार्यकर्ताओं की वजह से हुई। जनता ने उन्हें इसलिए वोट दिया क्योंकि वे एमके स्टालिन को सीएम बनाना चाहते थे, लेकिन आज कुछ पदों के लालच में वे हमें बिना बताए ही भाग गए। हमें कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु की जनता बहुत जल्द उन्हें करारा जवाब देगी।

उन्होंने पूरे देश में बीजेपी के आगे बढ़ने के लिए भी कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। उदयनिधि ने कहा कि पहले मुझे लगता था कि देश में बीजेपी की जीत की वजह पीएम मोदी और शाह हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि भारत में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन उन्होंने हमारे साथ धोखा किया। यह बयान डीएमके और कांग्रेस के बीच लगातार बढ़ रही कड़वाहट दिखाता है। डीएमके बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक बताया गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें।

वहीं दूसरी ओर डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। स्टालिन ने कहा कि उनके पास कुल 120 विधायकों का ही समर्थन है। अपनी संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने एआईएडीएमके को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वे नाकाम रहे। उनकी हालत आज दीवार पर बैठी बिल्ली जैसी है। यह सरकार किसी भी दिन गिर जाएगी। एमके स्टालिन ने उन वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों की भी आलोचना की, जो पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे लेकिन अब मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे बच्चे कुछ ही दिनों में नए खिलौनों से ऊब जाते हैं, वैसे ही तमिलनाडु के लोग भी इस अभिनेता के शासन से ऊब जाएंगे। तब वे दोबारा हमारे पास वैसे ही लौटेंगे, जैसे बच्चे अपनी मां के पास लौटते हैं।

तमिलनाडु में 3246 बदमाश हिरासत में, 419 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु पुलिस ने 3246 बदमाशों को हिरासत में लिया और 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पिछले तीन दिनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 15,349 लोगों की जांच की। इनमें 12,650 हिस्ट्रीशीटर और 2,699 गैर-हिस्ट्रीशीटर शामिल थे। इनमें 844 लोगों को कई कानूनी धाराओं के तहत ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने के 48 घंटे के अंदर विजय ने चार बड़े फैसले लिए थे। इनमें तमिलनाडु के हर जिले में करीब 65 एंटी-ड्रग टास्क फोर्स बनाने का फैसला शामिल था।

पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह अभियान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया। तमिलनाडु सरकार के निर्देश पर पुलिस राज्य में शांति और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम कर रही है। पुलिस बदमाशी, ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम विजय ने कैबिनेट में 8 दलित विधायकों को शामिल कर बनाया रिकॉर्ड

–यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित नए युग की शुरुआत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता से हटाकर टीवीके ने सबको हैरान कर दिया। थलपति विजय ने जब से सीएम पद की शपथ ली, तब से वह लगातार चर्चा में हैं। अब उनके कैबिनेट विस्तार की चर्चा हो रही है। यह चर्चा है कैबिनेट में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या को लेकर है। तमिलनाडु के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कैबिनेट है। यह बढ़ोतरी, विजय के कार्यकाल के पहले साल में उनके बढ़ते जनादेश को दर्शाती है। इसके साथ ही कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी मंत्रियों को शामिल करने का एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

थलपति विजय की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के 8 विधायक शामिल हैं। विजय की कैबिनेट को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण से 23 नए मंत्रियों को शामिल करना, सामाजिक समावेश और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। जानकारों का मानना है कि तमिलनाडु की पिछली कैबिनेट की तुलना में यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर जब अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात आती है। कैबिनेट का हालिया विस्तार जाति संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सहयोगी दलों को जगह देने और युवा प्रतिभाओं को शामिल करने का एक बेहतरीन मेल है। सीएम विजय समेत 35 सदस्यों तक पहुंचने के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या में अब बढ़ोतरी हुई है।

विजय की कैबिनेट में शामिल 8 अनुसूचित जाति के विधायक हैं जिनमें एस कमाली, वी गांधीराज, पी मथन राजा, डी लोगेश तमिलसेल्वन, के थेन्नारासु, पी विश्वनाथन, ए राजमोहन, वन्नी अरसु इनमें अनुभवी विधायकों के साथ-साथ राजनीति में अपेक्षाकृत नए चेहरे भी शामिल हैं, और यह महत्वपूर्ण मंत्रालयों में एससी प्रतिनिधित्व के लिए एक अच्छा संकेत है। 22 मई को मंत्रियों को शामिल करने के बीच ए एम शाहजहां (आईयूएमएल) और वन्नी अरसु (वीसीके) ने चेन्नई के राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। पापनासम सीट से आने वाले शाहजहां को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। वे एक समाज सेवक और एक चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। वे लंबे समय से तंजावुर में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

विजय कैबिनेट के गठन में कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके नेताओं के अलावा एससी नेताओं का चयन, सहयोगी दलों और सामाजिक पहुंच के ज़रिए राजनीतिक एकीकरण का एक संकेत है। चार सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ, सरकार एक व्यापक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रही है। यह फेरबदल महज प्रशासनिक नहीं है। यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित एक नए युग की ओर इशारा करता है। शासन-प्रशासन में एससी और हाशिए पर पड़े समुदायों को अब और ज्यादा प्रतिनिधित्व और पहचान मिलेगी।

बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज

–यूपी समेत कई राज्यों की टीम व अध्यक्षों को लेकर जल्द हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज हो गई है। संगठन से सीधे जुड़े पदों के लिए पार्टी के बड़े नेताओं और आरएसएस के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है। संकेत मिले हैं कि केंद्रीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश व अन्य कुछ राज्यों की टीम व कुछ प्रदेशों के अध्यक्षों को लेकर भी जल्द फैसला हो सकता है। अगले माह से पार्टी आने वाले चुनावों को लेकर तैयारी भी शुरू कर देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस साल 20 जनवरी को अपना कार्यभार संभाला था। तब से अब चार माह हो चुके है, लेकिन नए केंद्रीय पदाधिकारियों को लेकर इंतजार बना हुआ है। पांच राज्यों में विधानसभाओं चुनाव के चलते इसमें देरी हुई, लेकिन अब पार्टी जल्द इस काम को पूरा करना चाहती है, ताकि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज किया जा सके। अभी उत्तर प्रदेश की टीम पर मुहर नहीं लगी है इसलिए वहां पर काफी उहापोह है।

प्रदेश बीजेपी की नई टीम का खाका लगभग तैयार हो चुका है। दिल्ली में इसे अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। माना जा रहा है कि जल्द इस पर फाइनल बैठक हो सकती है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के दिल्ली से बाहर होने के चलते अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसका ऐलान 25 मई के बाद हो सकता है। सबसे ज्यादा कश्मकश क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर है। तमाम दावेदार भी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहीं विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी करने वाले कुछ चेहरे प्रदेश टीम से बाहर हो सकते हैं। कुछ मौजूदा प्रदेश महामंत्रियों की भूमिका बदलना भी तय माना जा रहा है। बीजेपी के राज्य मुख्यालय पर इन दिनों सन्नाटा है। यूपी के भाजपाई दिल्ली की ओर टकटकी लगाए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नई टीम के गठन की कवायद में जुटी है। कुछ पदाधिकारियों का टीम से बाहर होना तय माना जा रहा है। कुछ ऐसे चेहरे शामिल हैं जिन्हें या तो पार्टी चुनाव लड़ाने का मन बना रही है या फिर वे खुद टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। नितिन नबीन ने कहा है कि पार्टी की यात्रा सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा की है। पार्टी की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। बीजेपी की शक्ति हमारी राष्ट्रवादी विचारधार और समर्पित कार्यकर्ता है। शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर पटना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने कहा कि 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर बीजेपी तक की यात्रा संघ और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है।

मेलोडी महज टॉफी नहीं बल्कि चीन के लिए रचा गया चक्रव्यूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया जब 'मेलोडी' (पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी) के मीम्स और सोशल मीडिया रील्स के शोर-शराबे में डूबी हुई थी, ठीक उसी वक्त पर्दे के पीछे एक बड़ा कूटनीतिक खेल खेला जा चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिन्होंने चीन की घेराबंदी पूरी तरह सेट कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से बीजिंग को बड़ा झटका लगा है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पहले द ग्रेट इटली डिवोर्स से हुई थी। कुछ साल पहले इटली, चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने वाला एकमात्र जी-7 देश बना था। हालांकि, जॉर्जिया मेलोनी ने सत्ता में आते ही चीन के इस कर्ज के जाल को पहचान लिया और इटली को आधिकारिक तौर पर इससे बाहर निकाल लिया। चीन को ठेंगा दिखाने के बाद इटली को एशिया में एक मजबूत और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार की तलाश थी, जो चीन की जगह ले सके। यहीं पर न्यू इंडिया की एंट्री हुई। मोदी और मेलोनी की शानदार केमिस्ट्री दरअसल दुनिया को एक सीधा संदेश है कि इटली अब अपनी पूरी एशियाई रणनीति को बीजिंग से हटाकर नई दिल्ली पर शिफ्ट कर रहा है।

वैश्विक व्यापार के नक्शे पर नजर डालें तो भारत के लिए इटली की भौगोलिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत जब अपना सामान, टेक्नोलॉजी और एनर्जी यूरोप के बाजारों में भेजना चाहता है, तो उसके लिए भूमध्य सागर ही सबसे मुख्य रास्ता है, जिसके केंद्र में इटली स्थित है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए इटली खुद को भारतीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित कर रहा है। इटली के बंदरगाहों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग बूम से जोड़कर दोनों देशों ने आने वाले 50 सालों की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है, जो चीन की ट्रेड दादागीरी को सीधी चुनौती है।

इसके अलावा, दशकों से तैयार हथियार खरीदने वाले भारत के साथ मेलोनी सरकार ने एक नया और स्मार्ट गेम शुरू किया है। इटली अब पीएम मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत की जमीन पर ही एडवांस रडार सिस्टम और मैरीटाइम डिफेंस जैसे क्षेत्रों में डिफेंस इक्विपमेंट्स का सह-उत्पादन करेगा। सोशल मीडिया पर दिखने वाली क्यूट और मजेदार मेलोडी सेल्फी तो सिर्फ एक पैकेजिंग है। इसके पीछे की असली हकीकत यह है कि यूरोप में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भारत को इटली की जरूरत है और चीन को आर्थिक व रणनीतिक टक्कर देने के लिए इटली को भारत का साथ चाहिए। दोनों देशों ने मिलकर ड्रैगन के खिलाफ जो चक्रव्यूह रचा है, उसने बीजिंग की रातों की नींद उड़ा दी है।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों को पछाड़ा, नतीजों में गिरावट का हो रहा है विश्लेषण

कौमी पत्रिका

दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा में दिल्ली रीजन का कुल पास प्रतिशत 91.97 फीसदी रहा। इस बार भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन निजी स्कूलों से बेहतर रहा। दिल्ली रीजन में सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 94.44 फीसदी दर्ज किया गया जबकि निजी स्कूलों का परिणाम 88.77 फीसदी रहा। दोनों के बीच 5.67 फीसदी का अंतर रहा। दिल्ली वेस्ट का परिणाम दिल्ली ईस्ट से बेहतर रहा। दिल्ली वेस्ट में 92.34 फीसदी छात्र सफल हुए, जबकि दिल्ली ईस्ट का पास प्रतिशत 91.73 फीसदी रहा। हालांकि दोनों क्षेत्रों के परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। बीते साल दिल्ली वेस्ट का पास प्रतिशत 95.37 और दिल्ली ईस्ट का 95.06 फीसदी था। ओवरऑल रैंकिंग में दिल्ली वेस्ट पांचवें और दिल्ली ईस्ट छठे स्थान पर रहे। दिल्ली ईस्ट से 1,84,214 और दिल्ली वेस्ट से 1,21,229 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। पिछले वर्ष सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन और बेहतर रहा था। तब दिल्ली वेस्ट में सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 98.10 और दिल्ली ईस्ट में 96.11 फीसदी था। देशभर में सीबीएसई का ओवरऑल पास प्रतिशत 85.20 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के 88.39 फीसदी की तुलना में 3.19 फीसदी कम है। रिजल्ट में गिरावट को ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सरल हुई है तथा रिजल्ट में गिरावट के कारणों का अभी विश्लेषण किया जा रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बारहवीं के नतीजों में केंद्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस बार केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों का पास प्रतिशत सर्वाधिक 98.55 रहा है। वहीं, जवाहर नवोदय विद्यालय का पास प्रतिशत 98.47 है। पिछले साल 99.29 फीसदी के साथ जेएनवी स्कूल श्रेणी में पास प्रतिशत के मामले में टॉप पर रहे थे। सरकारी स्कूल 89.55 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

होमगार्डों से कराया मजदूरों जैसा काम, झाडू-पोछा के साथ कबाड़ साफ करते दिखे

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में जिला अग्निशमन केंद्र में तैनात होमगार्डों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वर्दीधारी होमगार्ड सुरक्षा या आपदा प्रबंधन की ड्यूटी करने के बजाय झाडू-पोछा लगाते, कबाड़ ढोते और मजदूरों की तरह कड़ी मशक्कत करते नजर आ रहे हैं। इस मामले को लेकर शनिवार को बहुजन अधिकार सेना ने कड़ा ऐतराज जताया। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया है कि देश और प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और अग्निशमन सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इन जवानों से नियम विरुद्ध जाकर सफाईकर्मी और बंधुआ मजदूरों जैसा काम लिया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि चिलचिलाती गर्मी के बीच होमगार्ड जवान पसीने से तरबतर होकर घंटों मजदूरी करते दिखाई दे रहे हैं। उनसे परिसर की साफ-सफाई, पाइप फैलाने और कबाड़ धुलवाने जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि यह दृश्य न केवल होमगार्ड जवानों की वर्दी और उनके सम्मान का घोर अपमान है, बल्कि यह सीधे तौर पर विभागीय शोषण और मानवाधिकारों के उल्लंघन का एक बड़ा उदाहरण है। बहुजन अधिकार सेना ने यह भी दावा किया है कि इस अमानवीय व्यवहार के खिलाफ विभागीय दबाव और नौकरी जाने के डर से अधिकांश जवान खुलकर विरोध नहीं दर्ज करा पा रहे हैं। जवानों के भीतर इस कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश और मानसिक पीड़ा व्याप्त है। संगठन ने मांग की है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और होमगार्डों की शिकायतों के आधार पर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही, होमगार्ड जवानों से नियम विरुद्ध मजदूरों जैसा काम कराने वाले दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त विभागीय व कानूनी कार्रवाई हो। इसके अतिरिक्त, अग्निशमन केंद्रों पर तैनात होमगार्ड जवानों से केवल उनके निर्धारित सुरक्षा, आपदा और अग्निशमन संबंधी कार्य ही लेने के लिए स्पष्ट एडवायजरी जारी की जाए। जवानों के सम्मान, मानवाधिकार और सेवा नियमों की रक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाए। भविष्य में किसी भी जवान से झाडू-पोछा, कबाड़ धुलवाने या अन्य कोई भी अपमानजनक कार्य न कराए, जाने की स्थायी व्यवस्था लागू हो।

आदर्श नगर में फैक्टरी में कंप्रेसर फटने से दो मजदूर घायल

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में एक फैक्टरी में कंप्रेसर फटने से दो श्रमिक घायल हो गए। यह घटना शनिवार सुबह हुई, जिसकी जानकारी पुलिस ने दी। घायलों को इलाज के लिए मॉडल टाउन के विनायक अस्पताल ले जाया गया। पुलिस को सुबह 9:50 बजे विनायक अस्पताल से घटना की सूचना मिली। यह विस्फोट जीटी करनाल सड़क औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी में हुआ। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पाया कि फैक्टरी के अंदर दीवार पर लगा एक कंप्रेसर फट गया था। इस घटना में वहां मौजूद दो श्रमिक घायल हो गए। घायलों की पहचान 35 वर्षीय अरविंद और 50 वर्षीय संतोष के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों घायल श्रमिकों के बयान दर्ज किए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट काम के दौरान हुआ। पुलिस ने बताया कि दोनों श्रमिक खतरे से बाहर हैं और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। क्राइम टीम और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। वे विस्फोट के कारणों की जांच कर रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी मौके का दौरा किया। घटना के बाद किसी भी कानून व्यवस्था की समस्या या भीड़ जमा होने की सूचना नहीं मिली है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। आगे की जांच जारी है ताकि घटना के सभी पहलुओं का पता लगाया जा सके। पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। दोषियों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे।

हर हफ्ते होगी सड़कों की निगरानी, गड्ढों से लेकर सफाई तक की देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों को बेहतर बनाने और रखरखाव व्यवस्था में लापरवाही रोकने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सख्ती शुरू कर दी है। विभाग ने सभी जोन, सर्किल, डिवीजन और सब-डिवीजन में काम कर रही मेंटेनेंस वैन की साप्ताहिक मॉनिटरिंग अनिवार्य कर दी है। अब हर सप्ताह इंजीनियरों को यह बताना होगा कि उनके क्षेत्र में कितने गड्ढे मिले, कितने भरे गए, कितनी टाइलिंग और पेंटिंग हुई तथा नालों की सफाई का कितना काम किया गया। पीडब्ल्यूडी की ओर से जारी कार्यालय आदेश में कहा गया कि प्रत्येक मेंटेनेंस वैन के काम का मूल्यांकन संबंधित जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर करेंगे। सभी रिपोर्ट हर शुक्रवार शाम पांच बजे तक जमा करनी होंगी। आदेश के अनुसार यदि किसी क्षेत्र में गड्ढे नहीं मिलते हैं तो उसकी निल रिपोर्ट भी देना अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था के तहत सड़कों पर टाइलिंग कार्य, फ्लाईओवर और कर्ब स्टोन की पेंटिंग, बेल माउथ और सॉसर ड्रेन की सफाई जैसे कामों का रिकॉर्ड भी रखा जाएगा।

सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर खुलेंगे कैफे और रिटेल आउटलेट, स्टेशन पर मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर कॉमर्शियल स्पेस के लाइसेंस के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को स्टेशन परिसर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्टेशन क्षेत्र को आधुनिक शहरी ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करना है। एनसीआरटीसी के अनुसार, स्टेशन के ग्राउंड फ्लोर पर करीब 818 वर्गमीटर क्षेत्र को ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से लाइसेंस दिया जाएगा। इच्छुक कंपनियां और कारोबारी 17 जून तक आवेदन कर सकेंगे। उपलब्ध स्पेस में कुल आठ यूनिट शामिल हैं, जिनका आकार 17 वर्गमीटर से लेकर 247 वर्गमीटर तक है। लाइसेंस अवधि 9 से 15 वर्ष तक निर्धारित की गई है। इन स्थानों का उपयोग कैफे, फूड एंड बेवरेज आउटलेट, कन्वीनियंस स्टोर, सर्विस सेंटर, पॉड सेवाओं और अन्य रिटेल गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। एनसीआरटीसी का कहना है कि इससे यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी। 82 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर देश का पहला रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) प्रोजेक्ट है। सराय काले खां स्टेशन इस कॉरिडोर का प्रमुख मल्टी-मॉडल ट्रांजिट हब बनकर उभर रहा है। यह स्टेशन हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी, दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन और रिंग रोड से सीधे जुड़ा है। हाल ही में एनसीआरटीसी ने सराय काले खां स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच 280 मीटर लंबा कवर फुटओवर ब्रिज भी शुरू किया है। निगम का मानना है कि बेहतर कनेक्टिविटी और संभावित भारी यात्री संख्या के कारण यह क्षेत्र ट्रांजिट आधारित व्यावसायिक विकास के लिए उपयुक्त साबित होगा। आईजीआई एयरपोर्ट से अब सस्ती उबर शेयर कैब बुक कर सकते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सचिवालय से उबर शेयर सेवा की शुरुआत की।

गर्मी में दिल्ली की बिजली मांग 8231 मेगावाट पहुंची

नई दिल्ली। बढ़ती गर्मी के बीच बिजली की मांग ने इस सीजन के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। बृहस्पतिवार को दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग 8231 मेगावाट दर्ज की गई। इस साल पहली बार बिजली की मांग 8000 मेगावाट के पार पहुंची है। राजधानी में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज गर्मी के कारण लोगों ने कूलर, पंखे और एयर कंडीशनर का अधिक उपयोग किया, जिससे बिजली की खपत बढ़ गई। बिजली वितरण कंपनियों के अनुसार, उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में बढ़ी हुई मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। अधिकारियों के अनुसार, इस साल मई में बिजली की मांग पिछले सालों की तुलना में अधिक रही है, जो समय से पहले और ज्यादा पड़ रही गर्मी का असर है। इससे पहले 27 अप्रैल को ही दिल्ली में बिजली मांग 7000 मेगावाट के पार पहुंच गई थी

PUBLIC NOTICE

I, Sarthak Anant, resident of B-79, Vrindavan Garden, Sector 16B, Chipyana Buzurg, Gautam Buddha Nagar, hereby declare that my father's name has been recorded as "Asgar Ali" in my passport records, whereas his correct name is "Asagar," as duly reflected in his Aadhaar Card, PAN Card, and Voter ID. Henceforth, my father's name shall be read and considered as "Asagar" for all future official purposes.

NAME CHANGE

I SUNITA W/O ANOOP KUMAR R/O K-66B 67B, LEFT SIDE PORTION 3RD FLOOR BHARAT SHAKTI PUBLIC SCHOOL ROAD, KRISHAN VIHAR, DELHI-110086 HAVE CHANGED MY NAME TO SUNITA DEVI

NAME CHANGE

I, SATYA SWARUPA W/o MEKA NAVEEN KUMAR residing at HOUSE-104, MAYURA E-CITY APPARTMENTS, DADDATOGURU ELECTRONIC CITY, BENGALURU-560100, have changed my name from SWARUPA MEKA alias SATYA PRATHI MEKA to SATYA SWARUPA for all future purposes.

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलगण श्री रामजी लाल शाहू व उनकी पत्नी श्रीमति ममता देवी, निवासिगण म. न. H-17/134, संगम विहार, नई दिल्ली-110080, ने अपने दोनो पुत्रो विकास व गौतम, पुत्रवधू राधा पत्नी श्री विकास, पुत्रवधू सारिका पत्नी श्री गौतम, व पौते दक्ष पुत्र श्री विकास व रोहन पुत्र श्री विकास से अपने सभी तरह के रिश्ते-नाते समाप्त कर लिए है व उन्हे अपनी सभी प्रकार की चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है । यदि भविष्य मे कोई भी व्यक्ति मेरे मुवक्किलगण के उपरोक्त पुत्रो व पुत्रवधुओ से किसी भी प्रकार का कोई भी लेनदेन या कार्य करता है तो मेरे मुवक्किलगण या उनके परिवार का कोई भी सदस्य उनके लेनदेन या कार्य का जिम्मेदार नहीं होगा ।

निधि एडवोकेट,
चैम्बर न. 336, साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110017.

PUBLIC NOTICE

Under instructions from and on behalf of my clients, Ramrati and Satbir, S/o Shri Dariya, residents of Plot No. 84, Maharani Enclave, Hastal, Uttam Nagar West, New Delhi 110059, it is hereby informed to the general public that they have disowned and debarred their son Rakesh Kumar alias Sahil from all their movable and immovable properties due to his misconduct and irresponsible behavior towards the family.It is further declared that henceforth he shall have no right, title, interest, or claim whatsoever in any property belonging to my clients. Any person dealing with him in any manner whatsoever shall do so at his/her own risk, cost, and consequences. My clients shall not be responsible for any act, transaction, liability, or obligation incurred by him hereinafter.

VINAY SINGH ADVOCATE
CH NO. 541, LAWYERS CHAMBERS BLOCK, DWARKA COURTS COMPLEX, NEW DELHI-110075.
MOB NO: 8447730783

NAME CHANGE

I, NASEEMA W/O ABRAR residing at 95/28 T-HUTS SHAHZADA BAGH INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to NASIMA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sangietaa Mishra W/O Late Kaushal Mishra Permanent resident of - R-136, Behind Obc Bank, Shivalik Nagar, Haridwar, Haridwar, Haridwar Uttarakhand -249403, Presently residing at Plot No.401, Second floor Lane No 6, Shakti Khand -4, Indirapuram,OP: Shipra Sun City Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh- 201014, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as Sangeeta Kaushal Mishra and Janhavi in my minor daughter Janhavi Mishra aged 15 years in her Birth certificate No. 2011B0003038. The actual name of mine and my minor daughter are Sangietaa Mishra and Janhavi Mishra

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Mukesh Gupta in respect **Built Up Ground Floor without roof rights of property No. C-65 and New No. 5C/65, area measuring 50 Sq. yds., out of Khasra No. 31/6/2, situated in the area of village Khyala, in Colony Known as Vishnu Garden Extn., Block-C, New Delhi-110018** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Pushpa Kumari in respect **Built Up Third Floor With Roof Rights, Property Bearing No 122 and 123, area measuring 42½ Sq. Yds., out of Khasra No. 769, 797 and 816, situated in The revenue Village of Nawada, Colony known as Om Vihar Phase-I, Uttam Nagar, New Delhi- 110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, hitherto known as Radiya Swatikumari Ajay, W/o satendra Singh tomar, R/o KN 1182, Makanpur, Near Baba Health Club, VTC: Indirapuram, PO: Shipra Sun City, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh, PIN Code: 201014, have changed my name and shall hereafter be known as Swati Tomar.

NAME CHANGE

I, Naresh Kumar Sharma, son of Bhagwan Singh, resident of House No. 1083, Ward No. 34, Bagh Wali Gali, Jhajjar Road, Vijay Nagar, Rohtak, Haryana – 124001, have changed my name to Naresh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I,DEEPREETI KAUR KALRA W/O GAGANDEEP SINGH R/O WZ-26/1, 2ND FLOOR NEW SAHIBPURA MBS NAGAR TILAK NAGAR DELHI 110018, CHANGED MY NAME TO DEEPPREET KAUR.

NAME CHANGE

I, MOHD SIKANDER S/O GAFFOR MOHD R/O H.NO-C-43/1 STREET NO-6 NORTH GHONDA DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MOHD SIKANDER GORI.

PUBLIC NOTICE

I Chetana D/O Keshav Dev R/O VTC :- Satoha Asgarpur,Post-Satoha,Tehsil and Dist: Mathura, Uttar Pradesh - 281004 UNDERTAKE THAT I Chetana CHANGE MY NAME Chetanya AND GENDER AS MALE. I Chetana HENCEFORTH BE KNOWN AS Chetanya S/O Keshav dev. THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM.

PUBLIC NOTICE

I GOVARDHAN R/O 27, KHATIK TOOLA, VTC: PINAHAT DEHAT, PO: PINAHAT, DISTRICT: AGRA, UTTAR PRADESH -283123, UNDERTAKE THAT I GOVARDHAN CHANGE MY NAME NAIRA I GOVARDHAN HENCEFORTH BE KNOWN AS NAIRA C/O NARESH CHAKERWATI THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS THUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF . IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARDS AR ANY STAGE ,I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATIONS WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM

PUBLIC NOTICE

My client Sh. Karan Singh S/o Prithvi Singh R/o 118, Ward No. 9, Kishan Garh, Vasant Kunj, South, Delhi-110070 has disinherited his son Rinku Parjapati S/o Karan Singh, his wife Suman Rani and Grandson namely Shivank Gola and Granddaughter namely Bhavisha R/o 118, Ward No. 9, Kishan Garh, Vasant Kunj, South, Delhi-110070, from all his moveable and immoveable properties from today as he is no more his son. My client has cut off all his relations from them from today and any person dealing with them shall be at their own responsibility and my client shall not responsible for the same.

Mayank Tushamar Advocate
Ch. No. 544, Lawyer's Block Saket Court Complex, New Delhi

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल दाल चंद पुत्र श्री खामानी राम व फूला देवी पत्नी-श्री दाल चंद, निवासी प्लॉट नंबर एन-19, चाणक्य प्लेस, पार्ट-2 उत्तम नगर नई दिल्ली 59, ने अपने पुत्र रविंदर पाल व पुत्रबधू मनीषा, जो उपरोक्त घर में रहते हैं, को अपनी (दिल्ली व उत्तर प्रदेश की सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उनसे सभी संबंध व रिस्ते-नाते भी तोड़ दिए हैं क्योंकि वह मेरे मुवक्किल के नियंत्रण में नहीं हैं। मेरा मुवक्किल उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं है। उसके साथ व्यवहार या लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम, लागत और परिणामों पर ऐसा कर सकता है और मेरा मुवक्किल किसी भी तरह से इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

PRADEEP KR. BARI Advocate
Chamber No. 814
Dwarka court complex.
New Delhi..75

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Rajni Sharma in respect **Third floor with roof rights, Built-up Property bearing no. 51, admeasuring 60 sq. yds., Out of Khasra no. 136 to 140, Situated in the revenue estate of Village Bindapur, Delhi estate Delhi, area abadi colony known as colony Block-S, Vijay Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED, MRS. MAIMVATI BASIST WIFE OF MR. DEV ANAND R/O B-120, SHIV PARK, KHANPUR, NEW DELHI-110062 IS THE SOLE AND ABSOLUTE OWNER OF "FRONT PORTION OF PROPERTY NO.F-225 NOW F-225-A, ADMEASURING 125 SQ. YDS. (OUT OF ADMEASURING 250 SQ. YDS.), CARVED OUT OF KHASRA NO.445/2, SITUATED WITHIN THE EXTENDED ABADI (LAL DORA), OF VILLAGE KHANPUR, SATARWARI GALI NEW DELHI-110062;" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE GIFT DEED DATED 23.03.2026 EXECUTED BY MR. DEV ANAND ALIAS DEV ANAND BASIST IN FAVOUR OF HIS WIFE MRS. MAIMVATI BASIST VIDE DOCUMENT NO.2026/7/I/3867, BOOK NO.I, VOLUME NO.10129, PAGES 97 TO 112, AT SUB-REGISTRAR, VA, HAUZ KHAS, NEW DELHI, ON 23.03.2026. NOW THE MRS. MAIMVATI BASIST IS GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

I,KAMIL S/O MOHD. ISLAM R/O H.NO-U-80 TILAK GALI NO 3 ARVIND NAGAR GHONDA NORTH EAST DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MOHD. KAMIL.

NAME CHANGE

I MOHD JAMEEL AHMED S/O YAMIN R/O H B-848 , GALI NO-13/9 SUBHASH MOHALLA NORTH GHONDA DELHI, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO ZAMIL

NAME CHANGE

I Mohd Mustaqeem S/o Mohd Mubin Khan R/o 1712 Street Saleem Pahari Bhojla Turkman Gate Delhi-110006 Have Change My Name to Mohd Mustaqeem Khan For All Future Purposes.

Public Notice

It is for general information that I POONAM DEVI W/O Arun Kumar, Pandey R/O HOUSE NO-F-93 GARIMA GARDAN, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, declare that name of mine has been wrongly written as Savita Pandey in my minor son namely Puskar Pandey aged 15 years in his 10th class educational documents.The actual name of mine is Poonam Devi, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAM PRAKASH GUPTA S/O BABU LAL R/O R Z 1207, KALA ENCLAVE, KHODA COLONY, KHORA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201309, have changed my name and shall hereafter be known as RAM PRAKASH.

NAME CHANGE

I hitherto known as Poonam W/o Laxman Kumar Bharati R/o 1034, Old Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as Arti.

NAME CHANGE

I, Guru Bashishth Anand S/o Ghanshyam Prasad Sinha, R/o G12/1508, Nirala Green Shire, Sector-2, Greater Noida West, Sector- 1, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201318, have changed the name of my minor daughter Preshth Vashishth, aged 10 years and he shall hereafter be known as Preshtha Vashishth.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. DHANANJAY KUMAR SINGH S/O MR. BHRIGUNATH SINGH, R/O 121, G. NO. 4, F-BLOCK, TOMAR COLONY, BURARI, DELHI-110084 IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PROPERTY BEARING NO. 121, LAND AREA MEASURING 100 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 105/1/5, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE KAMALPUR MAJRA BURARI, ABADI KNOWN AS TOMAR COLONY, BURARI, DELHI" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA AS DOC. NO. 15131 DT. 20.10.2006 EXECUTED BY MRS. SAVITRI DEVI IN FAVOUR OF MR. DHANANJAY KUMAR SINGH IN RESPECT OF ABOVE SAID PROPERTY. AND ABOVE SAID ORIGINAL REGD. GPA DT. 20.10.2006 LOST BY THE OWNER MR. DHANANJAY SINGH SINGH. NOW MR. SUNIL KUMAR MANDAL IS GOING TO PURCHASE THE ABOVE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. DHANANJAY KUMAR SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती जागृति देवी, पानी श्री दिनेश कुमार, दुकान सख्या 37, 22 वर्ग गज भूमि क्षेत्र, कुल 5 कनाल क्षेत्र में से, खेक्ट सख्या 151/32, खतौनी संख्या 184/165, मु. संध्या 21, किला संख्या 23 मिन, खेवट संख्या 188/166, मु. संख्या 21, किल्ला संख्या 23निर, खेवट संख्या 158/137 मिन, खलोनी संख्या 157/174, मु. संख्या 21, किला संख्या 24/1/2, बट सख्या 305/277-278, जट संख्या 231/210मिन, मु. में से... क्रमाक 21, किला क्रमांक 18/2/1, नाका मोना यमलना तहसील एवं बिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित, दिनांक 25.04.2023 की विक्रय विलेख के आधार पर, विधिवत पंजीकृत दस्तावेज क्रमाक 898, पुस्तक क्रमाांक 1, खंड क्रमांक 1/26, पृष्ठ 24.5/37-39, दिनांक 25.04.2023, एसआर-फरीदाबाद, श्रीमती नंद कुमारी पत्नी श्री शिव चंद्र सिंह द्वारा निष्पादित और दुकान क्रमांक 37 की संपत्ति अखला में, मूल पंजीकत जीपीए दिनांक 18.06.1996, दस्तावेज क्रमांक 1880 (एटीएस और वसीयत के साथ), विक्रय विलेख दिनांक 26.05.2011, दस्तावेज क्रयाक 2859 और दिनांक 08.08.2013 को श्री तेजपाल मैनी पुत्र श्री हिम्मत सिंह सैनी द्वारा श्री सुनील पुत्र श्री संतराम के पक्ष में निष्पादित विक्रय विलेख, जो विधिवत रूप से दस्तावेज संख्या 5416 के रूप में पंजीकृत है, गुम हो गया है और दिनाक 05.09.2024 को आवेदन संख्या 132250912600233 के तहत ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान निधि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I KHALIL AHMED S/O KAMRUDEEN R/O DEENDAR PATTEE, NEAR SARPANCH HOUSE VILLAGE RITHAT RITHATH(28) MEWAT HARYANA -122508 have changed my name to KHALIL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD SHADAB S/O MOHAMMAD MUSHTAQ R/O D-56 , SECOND FLOOR JASOLA VIHAR DELHI-110025 have changed my name to SHADAB Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RANJAN & RANJAN GARG S/O JAGDISH PRASAD R/O FLAT NO-308 PLOT NO 40A BARODA HOUSE CGHS LTD OPPOSITE AYUSHMAN HOSPITAL SECTOR -10 DWARKA DELHI- 110075 have changed my name to RANJAN KUMAR AGGARWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ANIL KUMAR S/O RAMANAND LAL DAS R/O NEAR SECTOR -10 CENTER MARKET DWARKA -68, C POCKET -1, SECTOR -10 DWARKA DELHI 110075 have changed my name to ANIL KUMAR KARN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I AJAY LAXMI W/O ANKUR WADHWANI R/O 4, KRISHAN KUNJ COLONY LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to SHAILLY WADHWANI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DHRUV AGGARWAL S/O MANOJ AGARWAL R/O ,E-31 KALKAJI DELHI -110019 have changed my name to DHRUV KUMAR AGARWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SAMEEDA BANO W/O IMRAN R/O 576, GALI NO-9, SHAKTI VIHAR, GOKAL PUR, NORTH EAST DELHI, DELHI 110094, I have changed my name from SAMEEDA TO SAMEEDA BANO for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ARTI GROVER W/o VISHAL CHANDHOK, R/O HOUSE NO-5C/57, NEW ROHTAK ROAD, KAROL BAGH S.O, DIST: CENTRAL DELHI, DELHI - 110005 I HAVE CHANGED MY NAME FROM ARTI CHANDHOK TO ARTI GROVER FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि खान प्रॉपर्टीज द्वारा निर्मित फ्लेट संख्या 102, ऊनसरी भूतल पर, क्षेत्रफल 100 वर्ग गणको खसरा संख्या 294/1 के ब्लॉक-ए सख्या 62 बना है, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है, विश्कर्मा कोलोनी, एम.बी. रोड, नई दिल्ली-110044 में स्थित है, श्री एस.पी. बब्बर पुत्र स्वर्गीय श्री ए.एन. शाह एस.पी, बब्बर द्वारा दिनाक 22.01.2025 को निष्पादित नोटरीकृत पीपीए, लापीए, एटीएसा और पसीयत के आधार पर उक्त संपति गुलशन निवासी श्री (नाम) को बेची जा रही है, और झाका वित्तपोषण एमएमएफन्नी इंडिया होग फाइनेंस कपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त मपनि में कोई प्रभार/हित / स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गाए पते पर लिक्षित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PROPERTY NO. D-78, AREA 300 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 100, D-BLOCK, GALI NO. 02, BUDH VIHAR, TAJPUR PAHARI, BADARPUR, DELHI" I.E. ORIGINAL NOTARIZED GPA & NOTARIZED ATS DT. 22.07.2011 EXECUTED BY MR. DEEPAK BANSAL IN FAVOUR OF MR. AJEET SINGH AND MR. AJAY SINGH BOTH EXECUTED IN RESPECT OF THE ABOVE SAID PROPERTY HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNERS MR. AJEET SINGH SON OF MR. VIJAY SINGH R/O H. NO. B-2, CIVIL LINE, BEHIND DC RESIDENCE, PALWAL, HARYANA AND MR. AJAY SINGH S/O MR. VIJAY SINGH, R/O, H. NO. 2383, GALI NO. 64, BLOCK-E-2, 3RD 60 FEET ROAD, MOTHER DAIRY, MOLARBAND EXTENSION, BADARPUR, NEW DELHI AND SAID OWNERS MR. AJEET SINGH AND MR. AJAY SINGH ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE CONVEYANCE DEED DT. 25.07.2025 EXECUTED BY POI IN THEIR FAVOUR (REGD. VIDE 2025/10I/5664). NOW MR. AJEET SINGH AND MR. AJAY SINGH WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM IIFL HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL GPA & ATS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

I, Sandeep Kumar resident of 965/25, Near Amit Miglani Park, Chinyot Colony, Rohtak, Haryana – 124001, have changed my minor son name from Akshay to Akshaj Chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sandeep Kumar resident of 965/25, Near Amit Miglani Park, Chinyot Colony, Rohtak, Haryana – 124001, have changed my minor son name from Avyukt to Avyukt Chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JUBAIR S/o SARFUDDIN R/o HOUSE NO.4822, PARVATIYA COLONY N.I.T, Faridabad, Haryana-121001 have changed my name to JUBAIR KHAN.

NAME CHANGE

I, HIMANSHU S/o RAJ KUMAR CHHABRA R/o House No: 628/D, Chawla Colony, Near Gurudwara. Faridabad, Ballabgarh, Haryana - 121001 have changed my name from HIMANSHU to HIMANSHU CHHABRA for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I SURENDRA MOHAN S/O BAHADUR RAM ARYA R/O A-4 A. GALI NO 4, VISHWAS PARK EXTENSION RAJA PURI ROAD UTTAM NAGAR WEST DELHI-110059, HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDER MOHAN ARYA ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I HARENDER SANGWAN S/O JASPAL SANGWAN R/O D 52 SECOND FLOOR MAYFIELD GARDENS SECTOR 50 GURGAON HARYANA -122018 I HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME NAISHA TO NAISHA SANGWAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

It is for general information that I, SONAL KUSHWAHA D/o DALIP KUMAR, R/o 11/78, GALI NO-10, WEST AZAD NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051. declare that name of my father have been wrongly written as DALIP KUSHWAHA in my 10th and 12th class and all educational documents. The actual name of my father are DALIP KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, SABANPREET KAUR MANN is daughter of IC-51683F, Rank-Brig, Name-TEJPAL SINGH MANN residing at H.NO-2621, SECTOR-69, SAS NAGAR, MOHALI, PUNJAB-160062, have changed my name from SABANPREET KAUR MANN to SABANPREET MANN for all future purposes vide Affidavit dated 23/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SACHIN KUMAR JAIN S/O RAKESH KUMAR JAIN resident of H No. F-9, JAGAT PURI, NEW Delhi 110051 have changed my name to SACHIN JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MONIKA BANSAL D/O RAJA RAM BANSAL, R/O B-34, FIRST FLOOR, SANJAY NAGAR, SECTOR-2, ROHINI, DELHI-110085, have changed the name of my minor son HRITIYUSH, aged 14 years and he shall hereafter be known as RUDRANSH BANSAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD AMIR S/O MOHAMMAD NISAR resident of PP -15 LAXMI NAGAR, NEW DELHI, 110092 have changed my name to MOHD AMIR KHAN for all future purpose.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमजद पुत्र अनवर पताः मकान नं 25, फुटा रोड अशोक विहार निकट मदिना मस्जिद कची कॉलोनी लोनी गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 241/2011 धारा 392/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अमजद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अमजद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 241/2011 धारा 392/411/34 भा.द.स. के तहत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त अमजद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11
(केन्द्रीय), कमरा नं.138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6485/N/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छपवाकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E-mail address:
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम पर चल रहे फर्जी सदस्यता लिंक से रहें सावधान : सिद्धांत जैन

एजेंसी
हिसार। देश में इस समय सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे व्यंग्यात्मक डिजिटल आंदोलन 'कॉकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता का फायदा उठाकर साइबर ठगों ने मासूम लोगों, विशेषकर युवाओं को ठगना शुरू कर दिया है। ऐसे में पुलिस प्रशासन और साइबर सेल द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में आम जनता के लिए एक विशेष सुरक्षा एडवाइजरी (पब्लिक अलर्ट) जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 'कॉकरोच जनता पार्टी की सदस्यता लें' या 'कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें' जैसे भ्रामक संदेश भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आधिकारिक लिंक नहीं, बल्कि फिशिंग अटैक है। जैसे ही कोई यूजर इस संदिग्ध लिंक पर क्लिक करता है या फॉर्म भरते समय ओटीपी साझा करता है, उसका मोबाइल फोन हैक हो जाता है। ठग इस हैकिंग के जरिए पीड़ितों के बैंक खाते की जानकारी, व्यक्तिगत डेटा और पासवर्ड चुरा रहे हैं, जिससे उनके खातों से पैसे उड़ाए जा रहे हैं या उनके नाम पर फर्जी लोन लिए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे में किसी भी अज्ञात या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

नशा उन्मूलन में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : सिद्धांत जैन

हिसार। जिले में संचालित नशा मुक्त अभियान की वास्तविक स्थिति की समीक्षा एवं आगामी रणनीति को और अधिक सख्त व परिणामकारी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी एनडीपीएस सैल सहायक उप निरीक्षक भूपसिंह, प्रवाचक सहायक उप निरीक्षक बलवंत सिंह, नशा मुक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक हवा सिंह व जिलेभर से जुड़े 60 से अधिक केयरटेकर्स सहित संबंधित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट और सख्त शब्दों में कहा कि नशा उन्मूलन अभियान किसी भी स्थिति में औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान का प्रभाव प्रत्येक थाना क्षेत्र में धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, निष्क्रियता या ढिलाई को गंभीरता से लिया जाएगा। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत हिसार को नशा मुक्त बनाने के लिए यह टीम नशा ग्रस्त व्यक्तियों से सीधे संपर्क स्थापित कर उनकी काउंसलिंग करेगी तथा नशा छोड़ने और पुनर्वास की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

सड़क निर्माण में गड़बड़ी पर मेयर ने लगाई फटकार

सोनीपत। सोनीपत में देवडू रोड स्थित 33 फुटा सड़क निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर मेयर राजीव जैन ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने निर्माण कार्य में घटिया टाइलें लगाने, ईंटों के नीचे रेत नहीं डालने और सीवर मैनहोल के आसपास सीमेंट नहीं लगाने पर ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। मेयर ने पूर्व पार्षद मुकेश सैनी और स्थानीय लोगों के साथ सड़क का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि टाइलें बेतरतीब तरीके से लगाई गई थीं और कई जगह निर्माण पूरा होने से पहले ही टूट चुकी थीं। टाइलें उखाड़कर देखने पर नीचे रोड़ा मानकों के अनुसार नहीं मिला। रोड़े के ऊपर रेत की परत भी नहीं डाली गई थी। कई स्थानों पर नई की बजाय पुरानी टाइलें लगाने की बात भी सामने आई। मेयर ने नगर निगम अधिकारियों को निर्माण कार्य की जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क के खराब हिस्से को उखाड़कर दोबारा बनाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर वह स्वयं निर्माण कार्यों की जांच करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से वर्क ऑर्डर की प्रति भी मांगी ताकि तय मानकों की जानकारी ली जा सके। वहीं, 42वें सप्ताह के स्वच्छता अभियान के तहत ईदगाह बस्ती से पुलिस लाइन तक सफाई अभियान चलाया गया।

एनएच-48 पर आग का गोला बनी कार, कैब चालक ने बचाई ड्राइवर की जान

गुरुग्राम। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे स्थित एनएच-48 पर रात एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए रॉंग साइड में पहुंच गई और वहां खड़े एक ऑटो में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार कुछ ही सेकंड में आग का गोला बन गई। हादसे के दौरान कार चालक अंदर ही फंस गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कैब चालक रितेश फोगाट ने बहादुरी दिखाते हुए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रोकी और जलती हुई कार के पास पहुंचे। कार का चालक सीट बेल्ट लगाए बेहोशी की हालत में अंदर फंसा हुआ था। कार एयरबैग खुल चुके थे और चालक गंभीर रूप से घायल होकर खून से लथपथ पड़ा था। रितेश फोगाट ने बिना देर किए कार के अंदर प्रवेश कर घायल चालक को बाहर खींच लिया। इसके बाद उन्होंने एक ऑटो रुकवाकर घायल को अस्पताल भिजवाया। लोगों ने रितेश की बहादुरी की सराहना की।

हर घर तक स्वच्छ पेयजल और सीवरेज सुविधा पहुंचाना सुनिश्चित करें : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनस्वास्थ्य विभाग नागरिकों को विकसित देशों की तर्ज पर पेयजल व सीवरेज सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए अगले 5 साल का लक्ष्य तैयार करे और इसकी कार्ययोजना को टाईमलाइन सहित इसे अगली बैठक में प्रस्तुत करे।

यह निर्देश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।

उन्होंने प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सरकार द्वारा अलॉट किए गए 100-100 वर्ग गज प्लाटों तथा नई अप्रूव्ड कालोनियों में पेयजल व सीवरेज सुविधाओं की जानकारी लेते हुए इनकी उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग

के आयुक्त एवं सचिव जे गणेशन ने विभाग के अगले 5 वर्षों के विजन के तहत जलापूर्ति कनेक्शन आधारभूत ढांचे, सीवरेज कनेक्शन, उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, सेंट्रलाइज्ड एसटीपी मॉनिटरिंग, तथा एआई सक्षम शिकायत विश्लेषण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अगले 5 वर्ष का रोडमैप प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीने का पानी जीवन की पहली जरूरत है और केंद्र सरकार की तहर प्रदेश सरकार भी हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने को अपनी जिम्मेदारी मानती है। उन्होंने कहा कि हर 5000 की आबादी पर एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना तैयार की जाए और सभी जलघरों को नहरी पानी से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सरकार द्वारा जहां-जहां पात्र परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लाट उपलब्ध करवाए गए हैं और जो कालोनियां वैध की गई हैं उन सभी में प्राथमिकता के आधार पर पेयजल, सीवरेज, बिजली सुविधा दी जाए और सड़क बनवाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य के स्मार्ट शहर बनाने होंगे जहां 24 घंटे पेयजल आपूर्ति हो सके। इसके पायलट प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने गुरुग्राम जैसे किसी एक या दो शहरों का चयन करके प्रयोग करने को कहा जिसके शत-प्रतिशत घरों में पानी के कनेक्शनों पर मीटर लगे हों।

उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो नहरों से जलघरों तक पानी पाइपों के माध्यम से लाया जाए ताकि इसकी वाष्पीकरण से होने वाली बर्बादी को रोका जा सके।

रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा 29 को प्रदेशभर में करेगा प्रदर्शन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने विभाग के निजीकरण, कर्मचारियों की भारी कमी और लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तैयार की है। आल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष मायाराम उनियाल ने आरोप लगाया कि सरकार रोडवेज विभाग को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर कर निजीकरण की ओर कदम बढ़ा रही है।महासचिव बलदेव सिंह मामू माजरा, कोषाध्यक्ष रघुवीर पंजाबी, उप महासचिव जोगिंदर दुल और प्रेस प्रवक्ता रंजीत करोड़ा ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि विभाग में चालक, परिचालक, मैकेनिक, हेल्पर, सफाई कर्मचारी और वॉशिंग कर्मचारियों के हजारों पद खाली पड़े हैं, जिससे परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई डिपो में बसें समय पर मरम्मत न होने के कारण वर्कशॉप में खड़ी रहती हैं और जनता परिवहन सुविधा से वंचित हो रही है। इसके बावजूद सरकार नियमित भर्ती करने के बजाय महंगी दरों पर ठेके की इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल कर रही है, जिससे विभाग को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यूनियन ने आरोप लगाया कि ठेके की इलेक्ट्रिक बसों में बुजुर्गों, विद्यार्थियों और आम जनता को रोडवेज की सरकारी बसों जैसी रियायती व मुफ्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। साथ ही सरकारी परिचालकों को इन बसों पर लगाने से विभाग में परिचालकों की कमी और बढ़ गई है। सांझा मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 29 मई को प्रदेश के सभी रोडवेज डिपो में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा 5 जून से 16 जुलाई तक हिसार, अंबाला, गुरुग्राम, रोहतक, करनाल और फरीदाबाद में कमिश्नरों के माध्यम से परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

इसरो तकनीक से खोजी जाएगी वैदिक सरस्वती की धारा

एजेंसी
चंडीगढ़। सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड इसरो की आधुनिक तकनीक का उपयोग कर वैदिक सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने जा रहा है। बोर्ड गुजरात में इसरो के साथ एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू करने वाला है। इसी कड़ी में सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल ने वाइस चेयरमैन धुम्मन सिंह किरमिच की अध्यक्षता में गुजरात के अहमदाबाद स्थित इसरो अंतरिक्ष उपयोग केंद्र के निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान सहमति बनी कि सरस्वती नदी परियोजना को गुजरात में जल्द शुरू करने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही परियोजना के प्रभावी संचालन और क्रियान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से एक विशेष टीम भी गठित की गई है। यह टीम विभिन्न तकनीकी, भूगर्भीय और जल संसाधन संबंधी पहलुओं पर कार्य करेगी तथा जरूरत पड़ने पर अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एजेंसियों का सहयोग भी लिया जाएगा। सरस्वती विकास बोर्ड के वाइस चेयरमैन धुम्मन सिंह किरमिच ने बताया कि इसरो की आधुनिक स्पेस टेक्नोलॉजी, सैटेलाइट मैपिंग और भू-वैज्ञानिक अध्ययन की सहायता से सरस्वती नदी के प्राचीन मार्गों की पहचान और जल प्रवाह की संभावनाओं पर गंभीरता से काम किया जाएगा। इससे गुजरात और राजस्थान में सरस्वती नदी पुनर्जीवन अभियान को नई गति मिलने की उम्मीद है। सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड द्वारा अब तक हरियाणा में विभिन्न नदियों और जल स्त्रोतों को जोड़ते हुए करीब 400 किलोमीटर क्षेत्र में जल प्रवाह स्थापित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वाल्मीकि मंदिर में ग्रहण किया प्रसाद, इलेक्ट्रिक बस में सफर कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी
पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला दौरे के दौरान सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री ने न सिर्फ समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का संदेश दिया, बल्कि आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया। वाल्मीकि मंदिर में ग्रहण किया प्रसाद, दिया सामाजिक समरसता का संदेश अपने पंचकूला दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्थानीय वाल्मीकि मंदिर का दौरा किया। यहाँ उन्होंने समाज के प्रबुद्ध लोगों और स्थानीय निवासियों के साथ बैठकर बेहद आत्मीय माहौल में प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री के इस कदम ने समाज में 'सामाजिक समरसता' और आपसी भाईचारे का एक बेहद मजबूत और सकारात्मक संदेश दिया है।

कार्यकर्ताओं संग इलेक्ट्रिक बस में सफर, ईंधन बचाने का आह्वान वाल्मीकि मंदिर में दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री ने पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की पहल की। वे पीडब्ल्यूडी (PWD) विश्राम गृह से इंदिरा कॉलोनी तक जाने के लिए अपनी

सरकारी गाड़ियों के काफिले को छोड़ कार्यकर्ताओं के साथ इलेक्ट्रिक बस में सवार हुए। बस सफर के दौरान उन्होंने आम जनता और कार्यकर्ताओं से ईंधन बचाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

इंदिरा कॉलोनी में मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत

उत्साह का माहौलः जैसे ही मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक बस से सफर कर इंदिरा कॉलोनी पहुंचे, वहाँ पहले से मौजूद स्थानीय निवासियों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने उनका बेहद गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत किया। कॉलोनी वासियों ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खुशी जाहिर की और मुख्यमंत्री ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनसे मुलाकात की।

आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगाः अनिल विज

एजेंसी
अंबाला छावनी। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व पदाधिकारियों को निर्देश देते कहाकि हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी भी इस स्मारक का अवलोकन कर चुके है, इसी के दृष्टिगत जो शेष छोटे-मोटे कार्य बचे हुए है संबधित विभाग व एजेंसी उसे युद्ध स्तर पर करना सुनिश्चित करे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज आज अम्बाला छावनी में शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अम्बाला छावनी कनिका गोयल व शहीद स्मारक के निदेशक डा. कुलदीप सैनी मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यहां पर बनाया जा रहा आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक राष्ट्रीय स्तर का स्मारक है तथा यहां पर दूर-दराज से पर्यटक/आंगुतक आकर इसकी सुदंरता को आभास

करेगें, इसी को ध्यान में रखते हुए स्मारक से जुडे जो छोटे मोटे कार्य बचे है उन्हें पूरी तत्परता के साथ करना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस स्मारक का उद्घाटन करेंगे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान संबधित एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेने के उपरांत यहां पर टिकट की बेहतर व्यवस्था बारे, एंट्री एवं एग्जिट गेट के अलावा अनाधिकृत गेट न लगाने बारे, म्यूजियम में लाईटिंग की व्यवस्था बारे, सीढियों के साथ लाईटिंग की व्यवस्था के साथ-साथ रैम्प की व्यवस्था बारे, स्मारक परिसर में रैलिंग की व्यवस्था बारे, स्मारक के अंदर गैलरी से शुरू होकर बाहर तक आने वाले रास्ते एवं अन्य बिंदुओं बारे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चूंकि शहीद स्मारक का उद्घाटन नजदीक है इसलिए कार्य युद्धस्तर पर किए जाए।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रोजेक्ट निदेशक को निर्देश दिए कि शहीद स्मारक के बाहर यानि जीटी रोड पर एक्सीलेटर की व्यवस्था करने तथा जीटी रोड पर फेंसी लाइट तथा पौधारोपण के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रिकल विंग के एक्सईन को भी निर्देश दिए कि शहीदी स्मारक के बाहर तथा अंदर लाईटों की बेहतर व्यवस्था करना सुनिश्चित करें ताकि रात के समय में लोगों को इस स्मारक की सुंदरता दिख सके।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने यह भी निर्देश दिए कि आजादी की पहली लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी यानि मेरठ से 10 घंटे पहले इसकी शुरूआत कर दी थी जिसके तथ्य भी है। उन्होंने कहा कि इस सारे विवरण को यहां पर थ्री-डी के माध्यम से दर्शाया जाए ताकि यहां पर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य को आजादी की पहली लड़ाई एवं उसकी घटनाओं तथा इतिहास के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह भव्य स्मारक युवाओं के साथ -साथ अन्य के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा।

नई सीरीज में वाहन का पुराना नंबर रखने पर नही लगेगी फीस

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रदेश के लाखों वाहन मालिकों को राहत देते हुए कहा है कि पुराने पंजीकरण वाले नंबरों को नई सीरीज में बदलवाने के लिए किसी प्रकार की फीस नहीं लगेगी। वाहन मालिकों के पास भले ही वीआईपी तथा पुरानी सीरीज में अपना पसंदीदा नंबर क्यो न हो। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2019 में जारी की अधिसूचना को भी रद्द कर दिया है।

जस्टिस जगमोहन बंसल ने यह फैसला देते हुए हरियाणा सरकार के 8 नवंबर, 2019 के उस ज्ञापन को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर वाहन मालिक नई एचआर सीरीज में अपना पसंदीदा नंबर रखना चाहते हैं तो उन्हें निर्धारित फीस देनी होगी। हरियाणा में पहले कई वाहनों के नंबर एचआर-सीरीज के बजाय दूसरी पुरानी सीरीज में जारी किए गए थे। बाद में सरकार ने नई एचआर सीरीज लागू करते हुए पुराने नंबर बदलने की प्रक्रिया शुरू की। 28 मई 2019 को राज्य सरकार ने स्पष्ट किया था कि पुराने नंबरों को नई सीरीज में बिना किसी शुल्क के बदला जा सकता है। इसके कुछ समय बाद 8 नवंबर 2019 को नई सूचना जारी करते हुए कहा गया कि यदि कोई वाहन मालिक अपना पुराना पसंदीदा या वीआईपी नंबर नई सीरीज में रखना चाहता है तो उसे फीस देनी पड़ेगी। इसी फैसले को कई वाहन मालिकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार पुराने नंबरों को एचआर सीरीज में बदल सकती है, लेकिन इसके लिए कोई शुल्क नहीं ले सकती। कोर्ट ने साफ किया कि एक बार पहले से आवंटित पसंदीदा नंबर के लिए दोबारा फीस लेना कानूनन सही नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत पंजीकरण नंबरों की वैधता और नियम तय करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। राज्य सरकार केवल ज्ञापन जारी करके अतिरिक्त शुल्क नहीं लगा सकती।

करनाल जिले की 395 ग्राम पंचायतों में खोलेंगे लाइब्रेरी : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी
करनाल। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज पढ़ाई का जमाना है। युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा जरूरी है। इसके लिए स्कूली शिक्षा के साथ-साथ गांव में ही कोचिंग सेंटर जैसी सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए जिला की सभी 395 ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी खुलवाएंगे ताकि युवाओं को नौकरी की तैयारी करने के लिए गांव स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध हो सके। मनोहर लाल ने आज नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र में झंझाड़ी, तखाना, पधाना, सीधपुर, अंजनथली, कमालपुर, जाम्बा, सावंत, हैबतपुर और निगधु गांवों का दौरा किया और आम जनता से सीधा संवाद करके उनकी समस्याओं का समाधान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पढ़े-लिखे युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी जा रही है 7 इसी सोच को लेकर आज कोचिंग सेंटरों में युवाओं की भीड़ लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को उनके गांव में ही कोचिंग सेंटर जैसी सुविधाएं मिलें इसके लिए जिला की सभी ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी खोलने का निर्णय लिया गया

है। इसके अलावा, गांव-गांव में शमशान घाट की चारदीवारी व शेड, पक्के रास्तों का निर्माण व पेयजल की व्यवस्था करवाना भी प्राथमिकता रहेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में म्हारा गांव-जगमग गांव के तहत 24 घंटे बिजली मिल रही है जबकि पहले प्रदेश में बिजली का संकट रहता था और लोगों को मजबूरन सडक़ों पर जाम लगाना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि 21 मई को देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति की गई। मांग के अनुसार 270.80 गीगा वाट बिजली की निर्बाध आपूर्ति की गई। आज के दिन देश में 283 गीगावाट की उपलब्धता है, आने वाले समय में 300 गीगावाट क्षमता के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रदेश में 34 प्रतिशत लाइन लॉस थे।

बिजली कंपनियों के इस घाटे को कम करके 11 प्रतिशत किया गया। आज समय बदल रहा है ऊर्जा के स्त्रोत भी बदल रहे हैं। आज खाना बनाने के बर्तन से लेकर चलने के लिए वाहन भी ईवी के उपलब्ध हैं। सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के तहत सभी घरों में तीन किलो वाट के सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने आमजन से अपील की कि सरकार की योजना का लाभ उठाएं और देश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दें।

किसानों के लिए टैंक बनवाकर माइक्रो इरिगेशन को लागू करें : नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार हर खेत तक सिंचाई का पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए सिंचाई विभाग किसानों के ग्रुप बनाकर प्रत्येक 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक बनवाए। इन टैंकों को नहरी पानी से भरा जाएगा। इन टैंकों से जुड़े खेतों की माइक्रो इरिगेशन से सिंचाई की जाए। सामूहिक टैंक बनाने पर सरकार द्वारा 85 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग पुरातन प्रणाली से आगे बढक़र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पर ड्रोप-मोर क्रोप' की अवधारणा को ध्यान में रखकर विकसित भारत-2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सीमित जल संसाधनों वाले विकसित देशों की तर्ज पर भविष्य की योजनाएं बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संसाधन सीमित होने के बावजूद इनका बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। विभाग की योजनाएं धरातल पर भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि खेतों में खुले पानी के प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाए। सिंचाई पर किसान द्वारा किए जाने वाले खर्च को न्यूनतम किया जाएगा। सरकार की जो योजना है उसके बाद किसान को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल लगाने की भी जरूरत नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरुआत में 9 जिलों, भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, नूंह, रेवाड़ी, हिसार, झज्जर व सिरसा में किसानों के ग्रुप बनाकर कम से कम 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक का निर्माण करवाएं जिन पर सरकार किसानों को 85 प्रतिशत सब्सिडी देगी। इन टैंकों में नहरों से पाइपों के माध्यम से पानी आपूर्ति की जाए और टैंकों पर सोलर पैनल लगाकर इससे जुड़े सभी खेतों में टपका सिंचाई अथवा फव्वारा सिंचाई की प्रणाली लगवाई जाए।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई, 2026 तक करें आवेदन

एजेंसी
चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार द्वारा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की सिफारिशों के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी, 2027 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाएगी। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इन पद्म पुरस्कारों के लिए सिफारिशें political w.hry@gmail.com या hrathee.cso@hry.gov.in पर 10 जून, 2026 तक भेजी जा सकती हैं। केन्द्र सरकार द्वारा केवल ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in के माध्यम से भेजे गए नामांकन ही स्वीकार किये जाएँगे। इन पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च, 2026 से शुरू हो चुकी हैं और नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 है। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कारों, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार माना जाता है। वर्ष 1954 में शुरू हुए इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य 'विशिष्ट कार्य' को सम्मानित करना है। ये

सम्मान कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण और विशिष्ट उपलब्धियों अथवा सेवाओं के लिए दिए जाते हैं। ये पुरस्कार जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के, सभी व्यक्तियों के लिए हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि पद्म पुरस्कारों के लिए सभी नामांकन/सिफारिशें केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in के जरिए ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन या सिफारिशों में इस पोर्टल पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से भरते हुए उस व्यक्ति की अपने क्षेत्र में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों या सेवाओं का पूरा विवरण दिया जाना आवश्यक है। ऑनलाइन सिफारिश करने की प्रक्रिया से संबंधित सभी चरण पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इन पुरस्कारों से संबंधित अधिनियम और नियमों की प्रति भी वेबसाइट https://padmaawards.gov.in पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर, सरकारी कर्मचारी और सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

गुरुग्राम में विकास कार्यों को मिल रही नई रफ्तारः राव नरबीर सिंह

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए आज वार्ड 2, वार्ड 3 और वार्ड 6 में 28 करोड़ से अधिक राशि की 27 विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शहर के समग्र विकास, बेहतर आधारभूत सुविधाओं और नागरिकों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व हरियाणा सरकार विकास को जनहित से जोड़ते हुए योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि निर्धारित समय में उन्हें पूरा कर आमजन को सीधा लाभ पहुंचाना है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि धर्मपुर गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिसके स्थायी समाधान के लिए हरियाणा सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस विषय को लेकर लगातार दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाए हुए हैं, ताकि प्रभावित भूमि को जलभराव से मुक्त कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल समस्या का समाधान करना नहीं, बल्कि इस क्षेत्र को एक विकसित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में तैयार करना भी है। योजना के तहत यहां पिकनिक स्पॉट, पार्किंग सुविधा, शॉपिंग एरिया और लोगों के मनोरंजन से जुड़ी अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सकेंगे।

आईटीआर फाइलिंग में एआई की एंट्री, जरा सी चूक भी बुला सकती है मुसीबत

-आयकर विभाग ने आईटीआर जांच के लिए एआई और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम को लागू कर दिया है। इसका सीधा मकसद हर आय और लेन-देन पर बारीकी से नजर रखना है। ऐसे में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ढ्ढञ्जक्र भरते समय की गई कोई भी छोटी चूक आपको टैक्स नोटिस का शिकार बना सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआईएस (एनुअल इंफारमेंशन स्टेटमेंट) को ध्यान से जांचना अब बेहद जरूरी है। इसमें आपकी सैलरी, बैंक ब्याज, निवेश, प्रॉपर्टी और टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। इसे फॉर्म 16, फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट जैसे अपने अन्य दस्तावेजों से मिलाकर ही आईटीआर फाइल करें। एआईएस और आपके आईटीआर में थोड़ा भी अंतर पाए जाने पर विभाग तुरंत नोटिस भेज सकता है। सैलरी का गलत विवरण, बैंक ब्याज छिपाना या टीडीएस का गलत दावा आम गलतियां हैं। शेयर, म्यूचुअल फंड या प्रॉपर्टी बिक्री से हुए कैपिटल गेन को सही दिखाना अनिवार्य है। कारोबारियों के लिए जीएसटी रिटर्न और आईटीआर आंकड़ों का मिलान महत्वपूर्ण है, एआई सिस्टम किसी भी विसंगति को तुरंत पकड़ेगा। इसलिए हर जानकारी सटीक व स्पष्ट दें

कपास आयात शुल्क हटाने पर सरकार गंभीर

कपड़ा उद्योग को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

कच्चे कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटाने की मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श अंतिम चरण में है, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग को बढ़ती लागत के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गहन चर्चा कर रहे हैं। घरेलू कपड़ा उद्योग लंबे समय से आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहा है ताकि कपास की बढ़ती कीमतों से उद्योग पर बढ़ रहे लागत के बोझ को कम किया जा सके। अधिकारी ने संकेत दिया कि परामर्श प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और निकट भविष्य में इस पर अंतिम निर्णय होने की प्रबल संभावना है। हाल ही में परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर इस शुल्क को हटाने की जोरदार मांग उठाई थी। उद्योग के अनुसार चालू वर्ष में कपास की अनुमानित आवश्यकता लगभग 337 लाख गांठ (एक गांठ 170 किलोग्राम) है, जबकि 2025-26 सत्र में आवक केवल 292.15 लाख गांठ रहने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी, कुछ शहरों में गिरावट

महानगरों में स्थिरता ग्लोबल उतार-चढ़ाव के बीच चेन्नई में महंगा हुआ तेल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव और देश के टैक्स स्ट्रक्चर के बीच आम उपभोक्ताओं को मिला-जुला अनुभव मिला है। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पटना, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर चेन्नई में तेल थोड़ा महंगा हुआ है। देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 99.51 प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर के पुराने भाव पर ही मिल रहा है। इसी तरह मुंबई में भी पेट्रोल 108.45 प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। राहत की बात यह है कि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 110.47 और डीजल 50 पैसे गिरकर 96.53 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है।

कतर की कंपनी ने अडाणी ग्रुप के 48.05 लाख शेयर बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेचे

आज शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली।

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से संबद्ध कतर होल्डिंग एलएलसी ने खुले बाजार में सौदे के जरिए अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के 48.05 लाख शेयर 643 करोड़ रुपए में बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेच दिए हैं। एसई पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कतर होल्डिंग एलएलसी ने शुक्रवार को 48,05,974 शेयरों को 1,339 रुपए प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचा। यह कंपनी में 0.40 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इस दौरान बिड़ला म्यूचुअल फंड ने इतने ही शेयर उसी कीमत पर खरीद लिए। इस खबर के सामने आने के बाद अब सोमवार को शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर फोकस में रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने तिमाही नतीजों का ऐलान पिछले महीने किया था। कंपनी ने दी जानकारी में बताया था कि जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 723 करोड़ रुपए है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 1.3 फीसदी का इजाफा हुआ। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में अडाणी ग्रुप की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 714 करोड़ रुपए रहा था। जनवरी से मार्च 2026 में कंपनी की इनकम 7588.08 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले मार्च क्वार्टर के दौरान कंपनी की कुल कमाई 6596.39 करोड़ रुपए रहा। बता दें वित्त वर्ष 2026 में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का नेट प्रॉफिट 2392.75 करोड़ रहा था। यानी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दो गुना ज्यादा। तब कंपनी का नेट प्रॉफिट 921.69 करोड़ रुपए रहा था। शुक्रवार को अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर बीएसई में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1368 रुपए के स्तर पर बंद हुए थे।

रेलवे को मिलेगी रफ्तार! आईआरएफसी जुटाएगी 2 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) ने चालू वित्त वर्ष में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 2 अरब डॉलर जुटाने की योजना बनाई है। यह धनराशि मुख्य रूप से जापानी येन में जुटाई जाएगी और कंपनी के 70,000 करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है। आईआरएफसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने पहले ही बैंकों के एक समूह के साथ 1.1 अरब डॉलर के बराबर जापानी येन में ईसीबी ऋण जुटाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। परियोजनाओं की मजबूत पाइपलाइन को देखते हुए जून तिमाही के भीतर ही धनराशि का वितरण शुरू होने की उम्मीद है। यह ऋण पांच वर्ष की अवधि के लिए लिया गया है और इसका उपयोग रेलवे क्षेत्र से जुड़ी या ईसीबी दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन वाली अन्य परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी आईआरएफसी ने चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति और लगभग 40,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है।

निर्यात बढ़ाने को एफटीए का प्रभावी कार्यान्वयन जरूरी: विशेषज्ञ

भारत में उपयोग दर 25 फीसदी पर, अब हस्ताक्षर से ज्यादा लागू करने पर हो ध्यान

नई दिल्ली ।

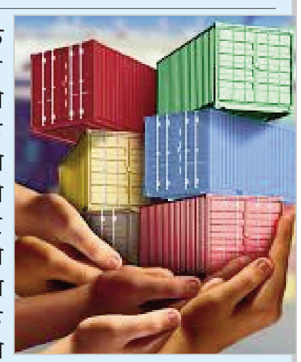

विशेषज्ञों का मानना है कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के मोर्चे पर भारत की अगली प्राथमिकता उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन और निर्यातकों को इनका इस्तेमाल सिखाने की होनी चाहिए। कई बड़े एफटीए पर हस्ताक्षर के बावजूद, असली चुनौती उनका सही उपयोग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार सरकार और उद्योग को अब एफटीए पर हस्ताक्षर से एफटीए के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वर्तमान में भारत में एफटीए की उपयोग दर लगभग 25 प्रतिशत है, जो विकसित देशों के 70-80 प्रतिशत से काफी कम है, जिससे भारतीय निर्यातक पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे। एक कंसल्टिंग फर्म ने कहा कि एफटीए के लाभ सीमा शुल्क स्तर पर इस्तेमाल हों और निर्यात बढ़ाएं। भारत ने अनेक महत्वपूर्ण बाजारों से करार किए हैं, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में नए व्यापारिक रास्ते खोल सकते हैं। विशेषज्ञों ने कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग, फार्मा जैसे क्षेत्रों को उत्पादन से जुड़ी (पीएलआई) जैसी योजनाओं का अतिरिक्त समर्थन तथा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता व हरित नियमों (विशेषकर यूरोपीय बाजारों के लिए) के अनुरूप घरेलू प्रमाणन प्रणाली मजबूत करने का सुझाव दिया है।

सन फार्मा: गिरावट में खरीदारी का मौका? नई दवा और बुलंद टारगेट से चमकेगा शेयर

शेयर ने छुआ 52-वीक हाई, शुक्रवार को दिखी मुनाफावसूली

नई दिल्ली।

फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने हाल ही में अपने 52-वीक हाई को छुआ, लेकिन सप्ताह के अंत में हुई हल्की मुनाफावसूली ने निवेशकों के मन में सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, बाजार विशेषज्ञ इसे खरीदारी के एक बेहतरीन अवसर के रूप में देख रहे हैं। कंपनी की नई डायबिटीज और मोटापे की दवा सेमाग्लूटाइड (जीएलपी-1) के सफल क्लीनिकल ट्रायल और ब्रोकरेज फर्म एचडीएफसी सिक्योरिटीज की बाय रेटिंग के साथ बढ़ाए गए टारगेट प्राइस ने निवेशकों के लिए सुनहरे भविष्य का संकेत दिया है। सन फार्मा के शेयर ने इस हफ्ते 1917.15 रुपये के 52-वीक हाई को छुआ, जो इसके ऑल-टाइम हाई से केवल 4 फीसदी नीचे है। शुक्रवार को 2.43 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 1,845.20 रुपये पर बंद होने के बावजूद, विश्लेषक इसे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु मान रहे हैं। कंपनी के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट इसकी नई दवा सेमाग्लूटाइड मानी जा रही है। यह दवा डायबिटीज और मोटापे के इलाज में वैश्विक स्तर पर काफी प्रभावी साबित हुई है। सन फार्मा द्वारा विकसित इसका ओरल सॉलिड फॉर्म (खाने वाली गोली) अपने क्लीनिकल ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है और अब भारतीय ड्रग रेगुलेटर से अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। यह दवा घरेलू बाजार में कंपनी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। चौथी तिमाही के शानदार नतीजों के

बाद, ब्रोकरेज हाउस एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने सन फार्मा पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,120 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। ब्रोकरेज के अनुसार, कंपनी के ग्रॉस मार्जिन में 118 बेसिस पॉइंट का प्रभावशाली सुधार देखा गया है। हालांकि कर्मचारियों की सैलरी और रिसर्च पर हुए खर्च के कारण ऐ बिटा ग्रोथ 3 फीसदी तक सीमित रही, लेकिन कंपनी का ग्लोबल स्पेशियलिटी बिजनेस 20त्न और भारतीय कारोबार 15त्न की दर से बढ़ा है। इलुम्या, सेक्वा और विनलेवी जैसे प्रमुख ब्रांड्स की मजबूत वैश्विक मांग अमेरिकी बाजार में संभावित सुस्ती के प्रभाव को बेअसर करने में सक्षम है। ऐसे में, विश्लेषकों का मानना है कि सन फार्मा लंबी अवधि के निवेशकों को बंपर रिटर्न देने की राह पर है।

सोना 3 लाख तो चांदी 5 लाख रुपए के जा सकती है पार, बढ़ी टेंशन

रॉबर्ट कियोसाकी ने गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली।

'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों को लेकर भविष्यवाणी की है। साथ ही उन्होंने शेयर बाजार में आने वाले समय में भारी गिरावट की बात कही है, जिसकी वजह से चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पोस्ट में रॉबर्ट कियोसाकी ने लिखा- दिग्गज मार्केट विश्लेषक जिम रिकाड्र्स का मानना है कि गोल्ड का रेट 1000 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। वहीं, चांदी का रेट 200 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। इस समय सोने का रेट 4500 डॉलर प्रति आउंस है। वहीं, चांदी का रेट 75 डॉलर प्रति आउंस है यानी घरेलू बाजार में सोने का रेट 300000 रुपए और चांदी का रेट 500000 रुपए के पार जा सकता है। ईंधन की कीमतों में जारी तेजी की वजह से दुनिया भर में महंगाई बढ़ गई है, जिसका असर वहां के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। वैश्विक अस्थिरता की वजह से शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में इससे अछूता नहीं है। रॉबर्ट कियोसाकी अपने पोस्ट में लिखते हैं कि अच्छे निवेशक भविष्य को देख लेते हैं और उसी हिसाब से एक्शन लेते हैं। रॉबर्ट कियोसाकी की नई भविष्यवाणी की वजह से एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या आने

वाले समय में एक बार फिर से दुनिया मंदी की ओर बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 158117 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 23 कैरेट गोल्ड का रेट 157484 रुपए, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 144835 रुपए, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 118588 रुपए और 14 कैरेट गोल्ड का रेट 92498 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी का रेट शुक्रवार की शाम को 266000 रुपए था। बता दें शनिवार और रविवार को छुट्टी की वजह से नई कीमतें जारी नहीं की गई हैं। बता दें पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना ना खरीदने की अपील की है।

घरेलू पर्यटन पर ईजमाई ट्रिप की नई उड़ान, एआई और विरासत से मजबूत होगा सफर

90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से, एआई और विरासत परियोजनाओं में निवेश से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

यात्रा बुकिंग मंच ईजमाई ट्रिप (ईएमटी) भारत में घरेलू पर्यटन के बढ़ते रुझान का लाभ उठाते हुए दीर्घकालिक वृद्धि और अपने यात्रा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि उनकी करीब 90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से आती है और वे बदलते भारतीय यात्री अनुभवों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। अे धिकारी ने कहा कि भारतीयों में घरेलू पर्यटन को लेकर जबरदस्त रुचि है। भारतीय यात्री अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित न रहकर सांस्कृतिक, धार्मिक, अनुभव-आधारित और क्षेत्रीय पर्यटन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, विशेषकर देश के विभिन्न हिस्सों की विरासत और संस्कृति को देखने में। दीर्घकालिक संभावनाओं को देखते हुए ईजमाई ट्रिप अपनी सीएसआर इकाई ईजमाई ट्रिप फाउंडेशन के माध्यम से कुतुब मीनार परिसर में सेवी कैफेटेरिया जैसी पर्यटक-केंद्रित परियोजनाएं शुरू कर रही है। ऑनलाइन यात्रा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, कंपनी कृत्रिम मेधा (एआई) में भी निवेश कर रही है, ताकि सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके, ग्राहकों को व्यक्तिगत अनुभव मिल सकें और डिजिटल मंच मजबूत हो।

कोल इं डिया का सिनगैस उत्पादन पर जोर, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

गैस आपूर्ति में दिककतों के बीच कोल इंडिया की सिनगैस इकाइयां लगाने की योजना

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण गैस आपूर्ति में आ रही बाधाओं से निपटने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कोयले से सिनगैस उत्पादन इकाइयां स्थापित करने की तैयारी में है। सिनगैस, मुख्यतः कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन का मिश्रण होता है, जिसका उपयोग बिजली, उर्वरक और स्वच्छ ईंधन बनाने में होता है। कोल इंडिया, जो देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान करती है, इस दिशा में शुरुआती कदम उठा चुकी है। कंपनी इन संयंत्रों को या तो कोयला खदानों के पास (पिटहेड) या फिर औद्योगिक उपभोक्ताओं जैसे उर्वरक संयंत्रों, गैस आधारित बिजलीघरों और डायरेक्ट-रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) इकाइयों के समीप स्थापित करेगी।

यह पहल राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन और रासायनिक कच्चे माल की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की सरकारी रणनीति का हिस्सा है। इन परियोजनाओं को बिल्ड-ओन-ऑपरेट या बिल्ड-ऑपरेट-मेंटेन मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिसके लिए कंपनी ने संभावित बोलीदाताओं की

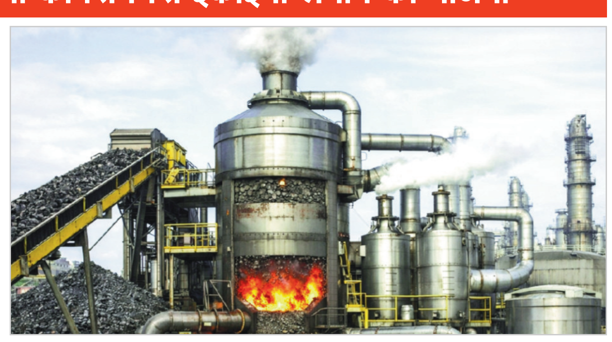

पहचान हेतु रुचि पत्र जारी किए हैं। इसके अलावा सीआईएल उन औद्योगिक ग्राहकों की भी तलाश कर रही है जो दीर्घकालिक समझौतों के तहत सिनगैस का उपयोग कर सकें।

इस कदम का उद्देश्य कोयले के परिवहन लागत को कम करना, उद्योगों को सस्ती और विश्वसनीय सिनगैस आपूर्ति सुनिश्चित करना, तथा स्वच्छ ईंधन, उर्वरक और रसायन उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। यह देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की चाल

दिग्गज कंप नियों के प रिणामों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की नजर प्रमुख वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर टिकी रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर हर दिन आ रहे अलग-अलग बयानों से बाजार में जारी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव प्रमुख कारक होंगे। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में काफी उठापटक देखने को मिली, जहां एक दिन बाजार में तेजी दर्ज हुई तो अगले ही दिन वह फिसलता दिखा। यह रुझान मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर आ रहे परस्पर विरोधी बयानों के कारण रहा, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया। इस सप्ताह में भी इन वैश्विक घटनाक्रमों पर बाजार की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि भू-राजनीतिक खबरें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। घरेलू मोर्चे पर अप्रैल माह के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक वृद्धि की तस्वीर पेश करेंगे, जिसका सीधा असर निवेश धारणा पर पड़ सकता है। यदि आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे तो बाजार को गति मिल सकती है, अन्यथा नकारात्मक प्रभाव भी संभव है। इसके अलावा कुछ दिग्गज कंपनियों, जैसे ओएनजीसी और इंडिगो, के वित्तीय परिणाम भी सामने आने वाले हैं। इन परिणामों से कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को लेकर तस्वीर साफ होगी, जो बाजार के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे सुधर रहा है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ट्रेडर्स को सलाह दी है कि वे इस सप्ताह बेहद चुनिंदा शेयरों में ही हाथ डालें और जोखिम प्रबंधन का पूरा ध्यान रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार पूरी तरह से वैश्विक खबरों और भू-राजनीतिक गतिविधियों के अनुसार चल रहा है।

बीते सप्ताह कमजोर रुपया और बढ़ती मांग से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती

आयातकों का घाटा घटने से भी मिली कीमतों को मदद, भविष्य में रकबा बढ़ने के आसार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह रुपये के मूल्य में गिरावट और देश में बढ़ती मांग के चलते बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेल महंगे हो गए, जबकि घरेलू मांग ने स्थानीय तिलहन बाजारों को भी सहारा दिया। बाजार सूत्रों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट ने आयातित सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे तेलों को महंगा कर दिया। आयातकों ने भी लागत से नीचे माल बेचने का घाटा कम किया, जिससे इनके भाव में मजबूती आई। घरेलू मोर्चे पर सूरजमुखी तेल में वैश्विक वृद्धि के बाद मूंगफली की मांग बढ़ने से इसके दाम सुधरे, हालांकि यह अभी भी एमएसपी से नीचे है। बिनौला तेल में भी सुधार दिखा, क्योंकि उत्तर भारत की बंद मिलों के चलते महाराष्ट्र से महंगी आपूर्ति करनी पड़ रही है। वहीं, शुरुआत में कम भाव रहने से सरसों की खपत और पेराई में तेजी आई, जिससे इसके तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। अच्छे दाम मिलने से उत्साहित किसान भविष्य में सरसों, सोयाबीन और कपास की खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। यह कदम देश को तेल-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचाने में सहायक हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 450 रुपये के सुधार के साथ 7,625-7,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 800 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 115-115 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 325-325 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,625-7,675 रुपये और 7,275-7,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 35 रुपये सुधार के साथ 12,310 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

हीरो मोटोकॉर्प का चालू वित्त वर्ष में दोहरे अंक की वृद्धि का लक्ष्य

12 से अधिक नए उत्पाद उतारेगी कंपनी

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने वित्तीय वर्ष 2026-27 तक दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने का भरोसा जताया है। कंपनी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 12 से अधिक नए उत्पाद बाजार में उतारेगी और इलेक्ट्रिक स्कूटर कारोबार को तेजी से बढ़ाएगी। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार स्कूटर कारोबार, विशेषकर इलेक्ट्रिक सेगमेंट, भविष्य के विकास का प्रमुख केंद्र होगा। उन्होंने 2030 तक कुल स्कूटर बिक्री में इलेक्ट्रिक स्कूटर की 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा। उन्होंने कम प्रदूषण वाले पावरट्रेन की बढ़ती मांग के मद्देनजर बाजार में अग्रणी स्थिति बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा` कि भारतीय दोपहिया बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा मानी, लेकिन बताया कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने अपनी

बाजार स्थिति मजबूत की है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, हीरो ने अपनी अग्रणी बढ़त फिर से बढ़ाई है, जिसका श्रेय स्कूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 125 सीसी से ऊपर की मोटरसाइकिल और प्रवेश स्तर की बाइकों में मजबूत प्रदर्शन को जाता है। चालू वित्त वर्ष में भी दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात और इलेक्ट्रिक वाहनों की भूमिका अहम होगी।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

किशन सनमुखदास भावनानी

फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरुआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्त्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

संपादकीय

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। प्रधानमंत्री 50 से अधिक वैश्विक सीईओ से भी मिले। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बढिया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'मुक्त व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के कालखंड में ऐसा रुख नहीं था। पश्चिम के साथ भारत के अंतरंग, रणनीतिक, मधुर संबंध नहीं थे, क्योंकि हम तत्कालीन सोवियत संघ की रक्षा और आर्थिक नीतियों के अनुसार ही निर्णय लेते थे। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, विकसित प्रौद्योगिकी, ग्रीन ऊर्जा, एआइ, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौतरफा ताकत है।

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्उ तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1त्उ के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थितिःबांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48त्उ के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त्उ तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, सात की मौत के बाद सेना तैनात

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके सिल्विया में दो आदिवासी समुदायों के बीच जमीन विवाद हिंसक हो गया। इस संघर्ष में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने 500 से अधिक सैनिकों और हवाई सहायता को इलाके में तैनात किया है। संघर्ष मिसाक और नासा आदिवासी समूहों के बीच हुआ, जो एक ही जमीन पर अपना दावा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी मामले पर चिंता जताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है। इलाके में पूर्व फार्क विद्रोही गुटों समेत कई अवैध सशस्त्र संगठन सक्रिय हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

तुर्किये की विपक्षी पार्टी में बढ़ा सत्ता संघर्ष, अदालत के फैसले से सियासत गरमाई

अंकारा , एजेंसी। तुर्किए की मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी में नेतृत्व संकट गहरा गया है। अंकारा की अपील अदालत ने 2023 में हुए पार्टी सम्मेलन को रद्द कर दिया, जिसमें ओजेल को नया अध्यक्ष चुना गया था। अदालत के फैसले के बाद पूर्व अध्यक्ष कीमेल को अंतरिम रूप से फिर जिम्मेदारी दी गई है। विपक्ष ने इस फैसले को राजनीतिक साजिश बताया है। दूसरी ओर तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार का कहना है कि अदालत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम पहले से भ्रष्टाचार मामले में जेल में हैं।

गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को कोर्ट से राहत, मानव तस्करी का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के खिलाफ मानव तस्करी से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। गार्सिया का मामला तब चर्चा में आया था जब उन्हें गलती से अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई 'प्रतिशोधात्मक' हो सकती है। जज क्रेनशॉ ने कहा कि अगर गार्सिया ने अपने निर्वासन को चुनौती देने वाला मुकदमा नहीं जीता होता तो सरकार उनके खिलाफ यह मामला नहीं लाती। गार्सिया पर आरोप था कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को वाहन से ले जाने के बदले पैसे लेते थे। हालांकि 2022 में ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया था। ट्रंप प्रशासन अब भी उन्हें किसी तीसरे देश भेजने की तैयारी में है।

चीन की कोयला खदान में धमाका

बीजिंग, एजेंसी। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 मजदूर अब भी भूमिगत फंसे हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार यह हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लियूशेनयू कोयला खदान में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के समय खदान में करीब 247 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से 201 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने हादसे की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। शांक्सी प्रांत चीन का प्रमुख कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है। पिछले साल यहां करीब 1.3 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ था, जो चीन के कुल उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है।

आरोन लुकास बनेंगे अमेरिका के नए कार्यवाहक खुफिया प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी खुफिया जिम्मेदारी में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस अहम बदलाव की घोषणा खुद देश के शीर्ष नेता ने की है। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने देश की खुफिया एजेंसियों के नेतृत्व को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी पूरी दुनिया के साथ साझा की है और नए अधिकारी के नाम का भी ऐलान कर दिया है। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। वह आने वाली 30 जून को अपना पद पूरी तरह छोड़ देंगी। यह फैसला उन्होंने किसी राजनीतिक कारण से नहीं, बल्कि एक दुखद पारिवारिक स्थिति की वजह से लिया है। उनके पति इब्राहिम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर (बोन कैंसर) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी का पता चला है। ऐसे मुश्किल समय में अपने पति का साथ देने और उनके इलाज में मदद करने के लिए गबार्ड ने यह बड़ा पद छोड़ने का मन बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपना इस्तीफा साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पति के साथ रहना ही उनके लिए सबसे जरूरी है।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से इस्तीफा दिया, अचानक लिया फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक रिपोर्ट में दी गई है, जिसमें उनके इस्तीफे के पत्र का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ट्रंप को अपने पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है जो 30 जून से प्रभावी होगा।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे के पत्र में डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी ओर से जताए गए भरोसे और पिछले डेढ़ साल तक राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, गबार्ड ने इस्तीफे की वजह अपने पति को हाल ही में हुई हड्डियों के कैंसर की दुर्लभ बीमारी का पता चलना बताया है।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैंने इस्तीफा दिया है जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा। मेरे पति अब्राहम का हाल ही में हड्डी के कैंसर का बेहद दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। आने वाले हफ्तों और महीनों में उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय मुझे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर उनके साथ रहना है और इस लड़ाई में उन्हें पूरा सहयोग देना है।

तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर क्या बोले ट्रंप : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'दुर्भाग्य से, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर का दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। वे सही मायने में उनके साथ रहना चाहती हैं ताकि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य वापस दिला सकें। वे इस कठिन लड़ाई को साथ मिलकर लड़ रहे हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि वह जल्द ही पहले से भी बेहतर हो जाएंगे।' उन्होंने कहा कि तुलसी ने अद्भुत काम किया है और हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। उनके बेहद सम्मानित प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस, एरॉन लुकास अब एक्टिंग डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस के रूप में कार्य करेंगे।

तुलसी गबार्ड के बारे में जानिए : तुलसी गबार्ड का जन्म 12 अप्रैल 1981 को अमेरिकन समोआ में हुआ था। उन्होंने हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद उन्हें 2025 में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बनाया गया। तुलसी गबार्ड का भारत से सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है, क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि उनका हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं और उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कृत नाम दिए। तुलसी नाम हिंदू धर्म में पवित्र पौधे से जुड़ा है।

भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित : तुलसी गबार्ड बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित रही हैं। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने शपथ भी भगवद गीता पर ली थी। भारत के साथ उनके रिश्ते राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर मजबूत रहे हैं। उन्होंने कई बार भारत का दौरा किया और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की वकालत की। 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवद गीता की प्रति भेंट की थी। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में भी खुलकर सामने आई थीं। मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग पर भारतीय अधिकारियों से चर्चा की थी। हिंदू पहचान और भारत के प्रति सकारात्मक रुख के कारण भारत में भी उनकी काफी चर्चा होती रही है।

सेलिब्रिटी बना 700 किलो का 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा, सेल्फी की मची होड़!

ढाका, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बांग्लादेश में एक बेहद दुर्लभ 'एल्बिनो' (सफेद) भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे सुनहरे बालों वाले इस 700 किलो के भैंसे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नेटिजंस के बीच भी इस अनोखे भैंसे के वीडियो और तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं, क्योंकि आमतौर पर भारत और उपमहाद्वीप में काले रंग के ही भैंसे पाए जाते हैं। ऐसे में इस दुर्लभ प्रजाति को देखना पशुपालकों और आम जनता के लिए भी कौतूहल का विषय बन गया है। हालांकि कुछ ही दिनों में इस भैंसे की गर्दन कटने वाली है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम और खास लुक का राज : राजधानी ढाका के पास नारायणगंज जिले के एक फार्म में पले इस भैंसे का लुक काफी अनोखा है। इसका शरीर क्रीम रंग का है और नाक गुलाबी है। सबसे खास बात इसके माथे पर मौजूद सुनहरे बालों का गुच्छा है, जो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेडमार्क हेयरस्टाइल जैसा दिखता है। इसी समानता के कारण फार्म मालिक के परिवार ने इसका नाम ही 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया। इसकी एक झलक पाने और इसके साथ सेल्फी लेने के लिए दूर-दूर के जिलों से लोग फार्म पर पहुंच रहे हैं।

शांत स्वभाव और वीआईपी केयर : आमतौर पर भैंसे अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं,

लेकिन यह एल्बिनो भैंसा इसके बिल्कुल उलट है। फार्म मालिक के मुताबिक, यह जानवरों की एक बेहद शांत प्रजाति है। 'इसका रूप भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन यह स्वभाव से बहुत शांत है। यह एक एल्बिनो भैंसा है और इस तरह के जानवर तब तक उग्र नहीं होते जब तक उन्हें उकसाया या परेशान न किया जाए।' ईद के त्योहार से पहले इसे पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए इसकी खास देखभाल की गई। इसे दिन में चार बार नहलाया जाता था और चार बार विशेष चारा दिया जाता था। फिलहाल इस भैंसे को कुर्बानी के लिए एक ग्राहक को सौंप दिया गया है। बता दें कि बकरीद यानी ईद-उल-अजहा 28 मई, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इसी दिन इस भैंसे की कुर्बानी होगी। मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश में पिछले कुछ सालों से ईद-उल-अजहा के दौरान एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। विशालकाय जानवरों की मांगः लोग सामान्य से कहीं ज्यादा वजन और ऊंचाई वाले जानवरों को खरीदना पसंद करते हैं। सेलिब्रिटी के नामः खरीदारों को आकर्षित करने और मार्केटिंग के लिए जानवरों के नाम मशहूर राजनेताओं, खिलाड़ियों या फिल्मी सितारों पर रखे जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की कोशिश नाकाम, आईआरजीसी ने रची थी साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक आतंकवादी ने उनकी हत्या की कोशिश की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पकड़े गए मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या करने की कमस खाई थई। उसके पास उनके फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला है। यह साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

इराकी नागरिक अल-सादी को सुलेमानी की मौत का गहरा सदमा था और वह उसे अपने पिता समान मानता था। वाशिंगटन में इराकी दूतावास के पूर्व उप सैन्य अताशे इंतिफाद कनबर ने बताया, 'कासिम की मौत के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका को मारना होगा ताकि ट्रंप के घर को वैसे ही जलाया जा सके जैसे उसने हमारे घर को जलाया था।' अल-सादी ने एक्स फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा भी पोस्ट किया था जहां इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर का 24 मिलियन डॉलर का घर है। अरबी में लिखी अपनी पोस्ट में उसने धमकी देते हुए लिखा, ''अमेरिकियों इस तस्वीर को देखो और जान लो कि न तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हें बचा पाएगी। हमारा बदला बस समय की बात है।' अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह रूस जाने की फिराक में था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों के आरोप हैं। जांच में पता चला है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का सर्विस पासपोर्ट था। यह एक विशेष यात्रा दस्तावेज है जो केवल इराक के प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को जारी किया जाता है। इस पासपोर्ट की मदद से उसे हवाई अड्डों पर वीआईपी लाउंज और सुरक्षा जांच में छूट मिलती थी, जिससे वह आसानी से उन देशों के वीजा हासिल कर लेता था जहां उसने हमलों की योजना बनाई थी।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे। अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है। क्यूबा का अमेरिका पर आरोप वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

सामूहिक विरोध प्रदर्शन : क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।

लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात : वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश : इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था।

उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। क्यूबा एक विफल देश है। हर कोई यह जानता है। उनके पास बिजली नहीं है, उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास वास्तव में कुछ भी नहीं है। उनके पास भोजन नहीं है। और हम उनकी मदद करेंगे। मैं सबसे पहले, मानवीय आधार पर उनकी मदद करना चाहता हूं।

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले-अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं।

कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप : विदेशी मीडिया रिपोर्ट अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा।

व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट : इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से 'सीबीएस न्यूज' ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने 'मेमोरियल डे वीकेंड' की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध इमिग्रेशन को हिंसक अपराध से जोड़ा, शरणार्थी शहर नीतियों की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के उपनगरीय इलाके में एक रैली के दौरान शरण देने वाले शहरों की नीतियों और अवैध आप्रवासन (इमिग्रेशन) की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन किया और अपने प्रशासन के आर्थिक एजेंडे पर भी प्रकाश डाला। शुक्रवार को रॉकलैंड कम्युनिटी कॉलेज के यूजीन लेवी फील्डहाउस में बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर उच्च करों और अपराध के जरिए व्यवसायों और करदाताओं को न्यूयॉर्क से बाहर धकेलने का आरोप लगाया। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'कंपनियां जा रही हैं, अमीर लोग जा रहे हैं। अगर न्यूयॉर्क अपना टैक्स आधार खोता रहेगा तो वह कभी पहले जैसा नहीं रह पाएगा। राष्ट्रपति ने शरण देने वाले शहरों की नीतियों की बार-बार आलोचना की और अवैध आप्रवासन को हिंसक अपराध से जोड़ा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में शिकागो में मारे गए न्यूयॉर्क के 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेरिडन गोरमन के परिवार को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा की मां जेसिका गोरमन ने कहा, 'मेरी प्यारी बेटी शेरिडन ग्रेस गोरमन की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह शिकागो में अपने दोस्तों के साथ अपने कैंपस से कुछ ही ब्लॉक दूर एक घाट पर टहल रही थी। शेरिडन के पिता टॉम गोरमन ने इस हत्या के लिए आव्रजन संबंधी विफलताओं और शरण कानूनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'अवैध आव्रजन अलग है। आपराधिक

अवैध आव्रजन अलग है। सीमाएं मायने रखती हैं, कानून मायने रखते हैं और प्रवर्तन मायने रखता है। ट्रंप ने संदिग्ध को 'एक अवैध अप्रवासी राक्षस' बताया और कहा कि उसे इस देश में कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने कहा, 'न्यूयॉर्क राज्य ने ऐसा बजट पारित किया है, जिसमें संघीय आव्रजन प्रवर्तन में बाधा डालने और इसे एक घातक शरण राज्य बनाए रखने के प्रावधान शामिल हैं।' राष्ट्रपति ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपने अभियान को दोहराया और मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण तथा डाक के जरिए मतदान पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। ट्रंप ने कहा, 'जरा सोचिए, मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण और डाक द्वारा मतपत्र भेजना लगभग खत्म हो गया है, सिवाय उन परिस्थितियों के जब इसकी वास्तव में जरूरत हो। रैली में आव्रजन, टैक्स और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होती रही। ट्रंप ने लॉमेकर माइक लॉलर की राज्य और स्थानीय कर छूट (एसएएलटी) को बहाल करने में मदद करने के लिए प्रशंसा की।

यूएन सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना परम आवश्यक है - महासचिव

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने कहा है कि दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल करने वाली 'महाशक्तियों' को रोकने के लिए यह ज़रूरी है कि परिषद का विस्तार हो ताकि उसे वर्तमान दौर की वास्तविकताओं के अनुरूप आकार दिया जाए सके. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश, जापान और यूएन के बीच पारस्परिक सहयोग के 70 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के अन्तिम पड़ाव में हैं, जहाँ उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

महासचिव गुटेरेश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों की लम्बित मांग को फिर से दोहराया. उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर समस्याओं के हल ढूंढने का मौजूदा तंत्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद व अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, उतने कारगर नहीं हैं, जितना कि इस चुनौतीपूर्ण क्षण में उन्हें होना चाहिए.यूएन प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि जिस सुधार की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता है, वह यूएन सुरक्षा परिषद का सुधार है.वैधता की समस्या15 सदस्य देशों वाली यूएन सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य हैंः चीन, फ़्राँस, ब्रिटेन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनके पास वीटो अधिकार भी हैं. वहीं, 10 अस्थाई सदस्य देशों को दो वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है.

महासचिव गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की पैरवी करते हुए कहा कि परिषद में केवल एक एशियाई देश को शामिल किया गया है, जबकि उस महाद्वीप पर दुनिया की लगभग 50 फ़ीसदी आबादी बसी है. इसके अलावा, किसी भी अफ़्रीकी या लातिन अमेरिकी देश को सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है. 'यह वैधता और कारगर न हो पाने की

एक गम्भीर समस्या है, और यह परम-आवश्यक है कि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाना भी, ताकि सुरक्षा परिषद को वर्तमान विश्व की वास्तविकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके. 'उन्होंने एक ऐसी बहुपक्षवादी प्रणाली पर बल दिया, जोकि पहले से कहीं अधिक न्यायसंगत हो, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की बेहतर ढंग से रक्षा करने में सक्षम हो, और देशों की जवाबदेही तय कर सके.यूएन प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, शान्ति, सतत विकास व मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक अति-आवश्यक, अपने आप में अनूठा बैठक स्थल है, लेकिन यह उतना ही मज़बूत हो सकता है, जितना सदस्य देश इसके लिए प्रतिबद्ध हों.बुरे उदाहरणों से बचना होगायूएन महासचिव से सवाल किया गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएँ, हिंसक टकराव की रोकथाम कर सकती हैं या नहीं.उन्होंने जवाब में कहा कि यह बहुपक्षवाद नहीं है, जोकि संकट में है. उन्होंने 'अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन करने वाली महाशक्तियों के बर्ताव का उल्लेख किया, जो कभी-कभी अपने आप हिंसक टकराव खड़ा करती हैं और दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार का इस्तेमाल करती हैं. 'यूएन प्रमुख ने कहा कि इस वजह से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए दुनिया भर में हिंसक टकरावों की संख्या में आई नाटकीय वृद्धि को रोक पाना कठिन हो जाता है. 'चूँकि जब बुरे उदाहरण, महाशक्तियों से मिलते हैं तो विश्व भर में मध्यम-आकार की शक्तियाँ सोचती हैं कि वे जो कुछ चाहती हैं उसे किया जा सकता है, बिना किसी दंड के. 'उन्होंने कहा कि अब ऐसे अनेक देश हैं, जिनका हिंसक टकराव से ग्रस्त देशों में स्थाई रूप से बाहरी हस्तक्षेप है, और इस स्थिति लड़ाई को रोकना और मध्यस्थता कर पाना अत्यधिक कठिन हो जाता है. और इसलिए, सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना अहम है.आवाजाही की स्वतंत्रतायूएन प्रमुख के अनुसार, बढ़ती मुद्रास्फीति व जीवन-व्यापन की ऊँची क़ीमतों का संकट, मध्य पूर्व क्षेत्र में व्याप्त तनाव व अशान्ति की वजह से और बिगड़ता जा रहा है. ईंधन, उर्वरक, कच्चे माल समेत अन्य सामान की क़ीमतों में भारी उछाल आया है और बड़ी संख्या में देशों के लिए चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।

निकली है तोंद खतरे कई हजार

भूख और खाने में दो बाते होती हैं। एक ये कि एक इंसान अपनी भूख मिटाने के लिए पेट भरता है और दूसरी यह कि एक इंसान टेस्ट के लिए और ठस के पेट भरने के लिए खाना खाता है। यदि किसी को कोई चीज अच्छी लग गई तो वह इसे जी भरकर खा लेना चहाता है और अपने पेट से ज्यादा इसे लेने की कोशिश करता है। हर व्यक्ति की एक सीमा होती है जो इसे क्रॉस कर जाते हैं वह पेट बढ़ने की समस्या से पीड़ित हो जाते हैं। वैसे हर व्यक्ति को उम्र के किसी न किसी पड़ाव पर मोटापा महसूस होता है। कई बार शरीर में चर्बी बढ़ने के कारण गंभीर रोग भी हो जाते हैं।

बढ़ते पेट की समस्याएं

बेली फैट: पेट के निचले हिस्से में बढ़ने वाले फैट को बेली फैट कहा जाता है, यह देखने में काफी भद्दा लगता है और फिगर को गंदा बना देता है। इस फैट से पाचन क्रिया और रीढ़ की हड्डी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, अगर आपको भी बैली फैट होने लगा है तो इसे कम करने के बारे में सोचना शुरू कर दीजिए।

बढ़ने वाले पेट में टॉक्सिन इक्ट्ठे हो जाते हैं : शरीर में कहीं और चर्बी होने से अलग होता है बेली फैट। पेट में जमा होने वाले फैट में कई सारे टॉक्सिन भी इक्ट्ठे हो जाते हैं जिससे शरीर में ऐसे हारमोन निकलते हैं जो नुकसान पहुंचाते हैं।

यह मधुमेह का कारण भी बनता है : टमी फैट के कारण निकलने वाले हारमोन्स से एक हारमोन शुगर (डाइबिटीज) होने का कारण भी बन सकता है। यह शरीर में इंसुलिन प्रतिरोधक को बढ़ा देता है और व्यक्ति के शरीर में इंसुलिन की मात्रा कम होती जाती है।

हार्ट अटैक की वजह भी बन सकता है : इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ जाता है जिसकी वजह से हार्ट संबंधी रोग भी हो जाते हैं। जो गंभीर होते हैं और मरीज की जान लेने में देर नहीं लगाते। इसकी वजह से हार्ट अटैक, स्ट्रोक से तुरंत मृत्यु होने का खतरा बहुत ज्यादा हो जाता है।

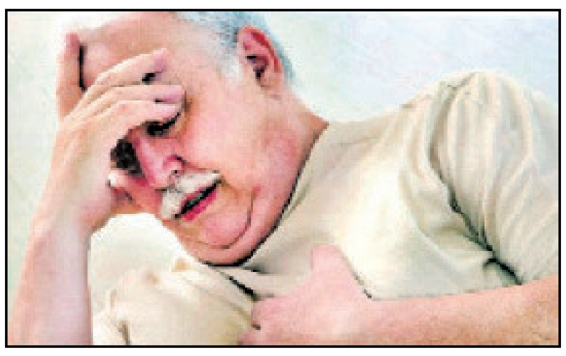

कैंसर का भी खतरा : कई बार मोटे पेट के कारण निकलने वाले हारमोन से कैंसर या अवसाद का खतरा भी बना रहता है। रक्त के थक्के का जमना, ब्लड प्रेशर आदि की समस्या भी हो सकती है।

सबसे पहले खुराक में परिवर्तन लाएं : इसीलिए, अगर आपको पेट के निचले हिस्से में फैट जमा होने लगा है तो अपनी खुराक में परिवर्तन लाएं। डाइट चार्ट के हिसाब से भोजन करें।

पेट को प्रोटीन के सेवन से इसे कम करें : शोध से यह बात साफ हो चुकी है कि प्रोटीन के सेवन से इसे कम किया जा सकता है तो प्रोटीन का भरपूर सेवन करें। लेकिन स्वस्थ रहें और पेट पर चढ़ने वाली चर्बी को कम करें।

पेट की चर्बी आसानी से कम नहीं होती : इसके लिए अपने खाने से लेकर जौगिंग और जिम में मेहनत करनी होगी। व्यायाम करें, दौड़ें, शारीरिक श्रम करें और बढ़े पेट को कम करने का प्रयास करें।

ग्लूकोमा रोगियों के लिए सिर झुकाने वाले आसन खतरनाक

न्यूयॉर्क। योग करते समय सिर झुका कर आसन करने और पुश-अप, भारी वजन उठाने जैसे अन्य व्यायाम करने से ग्लूकोमा के रोगियों की आंखों पर दबाव बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।

- ग्लूकोमा के रोगियों को अपनी आंखों पर जोर देने के लिए मनाही है

- यानी वो आसन या काम जो आप सिर झुका कर उठाते हो या आसन मुद्रा में करते हो, ऐसे आसन बिलकुल या काम बिलकुल न करें

- इन आसनों से ग्लूकोमा रोगी अपनी आखों की रोशनी हमेशा के लिए खो सकते हैं

अंधापन : ग्लूकोमा रोगियों में कम से लेकर अधिक स्तर तक यह आंखों की रोशनी को प्रभावित कर सकता है और इसकी वजह से रोगी की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए भी जा सकती है।

ऑप्टिक नर्व को नुकसान : ग्लूकोमा के रोगियों के ऑप्टिक नर्व को उस समय नुकसान पहुंच सकता है जब उनकी आंख के अंदर तरल पदार्थ का दबाव बढ़ जाता है। आंखों में तरल पदार्थ का दबाव बढ़ने का सबसे सामान्य कारण ''एलिवेटेड इंट्राऑक्यूलर प्रेशर' (आईओपी) है।

तरल पदार्थ का दबाव बढ़ा : अध्ययन में, ''न्यूयॉर्क आई एंड ईयर इनफर्मरी ऑफ माउंट सिनाई' (एनवाईईई) के अध्ययनकर्ताओं ने कई ऐसे प्रतिभागियों को शामिल किया जिनमें से कुछ को आंख से संबंधित कोई बीमारी नहीं थी और कुछ लोग ग्लूकोमा के रोगी थे। इन लोगों ने कई तरह के सिर झुकाकर किए जाने वाले योगासन किए थे। ऐसे आसन करने के बाद स्वस्थ लोगों और ग्लूकोमा पीड़ित लोगों की आंखों में तरल पदार्थ का दबाव बढ़ा हुआ पाया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ौन

नाना ने कुछ बडे हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा- 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बडी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया । बोल पडा- 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिकडम नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब-किताब रखा जाता है।'

□ □ □

नवविवाहित जोंडा जब हनीमून मनाने के लिए हिल स्टेशन के एक होटल में पंहुचा तो मैनजेर ने दूल्हे को देखते ही उसका नाम रजिस्टर में लिख दिया।

दुल्हन ने खुशी के मारे मैनेजर से पूछा- क्या मेरे पति इतने मशहूर है कि आपकों उनका नाम-पता पूछने की जरूरत ही नही पडी बात असल में यह है देवीजी मैनेजर ने कहा-आपके पति हमारे होटल में हर वर्ष हनीमून मनाने आते है।

□ □ □

भोलाराम का बेटा मां से बोला- अम्मी तुम भी पिताजी की तरह क्रिकेट में छक्के लगा सक ती हो।

छक्के लगा तो नहीं सकती ,छुडा सकती हूं, मां बोली।

काकुरो पहेली - 4064

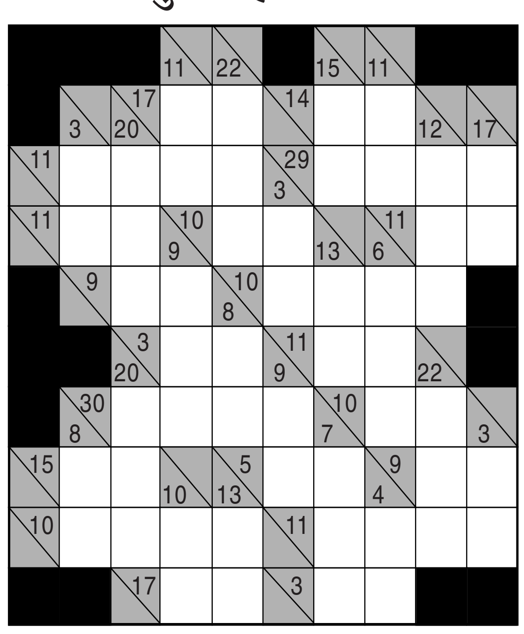

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

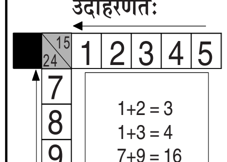

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4063 हल

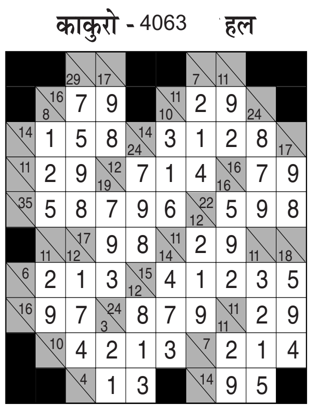

फिल्म वर्ग पहेली- 4064

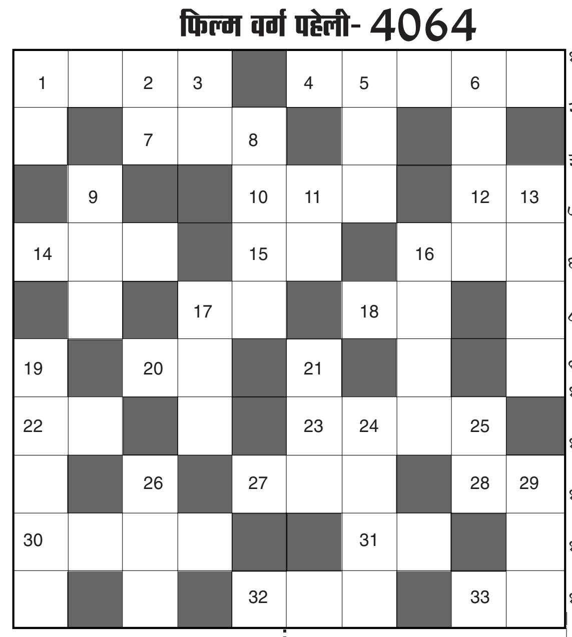

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4063

सूडोकु -4064

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4063 हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 4064

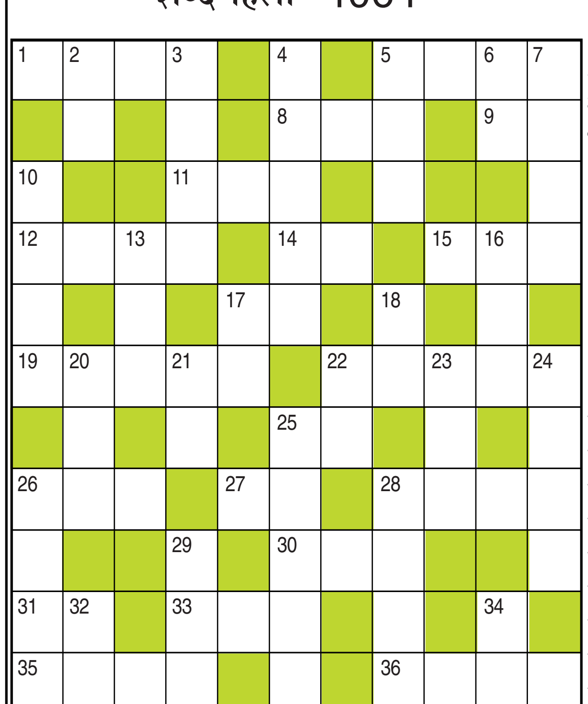

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -4063 का हल

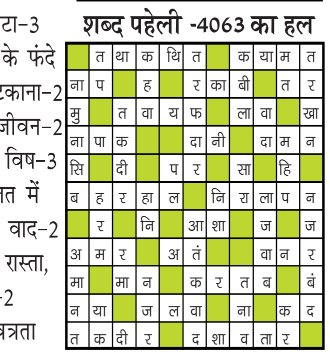

‘बुलडोजर कार्रवाई’ के विरोध में ममता बनर्जी ने लिखी कविता, भाजपा ने सिंडिकेट राज हटाये जाने का मलाल बताया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सत्ता परिवर्तन और नई भारतीय जनता पार्टी सरकार के गठन के बाद राज्यभर में अवैध निर्माण और फुटपाथ अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कविता के जरिए तीखा प्रहार किया है। ममता बनर्जी के फेसबुक पेज पर उनकी नई कविता ‘दखल’ पोस्ट की गई। कविता में उन्होंने राज्य में चल रही बुलडोजर कार्रवाई, कथित पुलिस सक्रियता और गरीबों के विस्थापन को मुद्दा बनाते हुए सरकार पर निशाना साधा। कविता में उन्होंने लिखा, ‘दखल मुक्त करना होगा/असहाय कमजोर लोगों को/और कितने बुलडोजर?/और कितना अत्याचार?/और कितनी दानविकता? ‘ पूर्व मुख्यमंत्री ने कविता के माध्यम से प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, ‘नेताओं के ताबेदार अब / डंडावाले रक्षक बन गए हैं/सैकड़ों गिरफ्तारियां क्यों?/कितने पुरस्कार मिल रहे हैं? ‘ ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि फुटपाथ दुकानदारों और गरीब श्रमिकों को हटाकर पुलिस और प्रशासन सरकार को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। कविता के अंतिम हिस्से में उन्होंने नई सरकार पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए लिखा, ‘अगर जीत ही गए हो/तो लोग इतने भयभीत क्यों हैं?/शाम ढलते ही आधी रात क्यों उतर आती है? उन्होंने नई सत्ता व्यवस्था की मानसिकता को ‘जंजाल’ करार देते हुए कहा कि समाज को अतिक्रमण मुक्त करने से पहले शासकों को अपने मन का जंजाल साफ करना चाहिए।

उत्तरकाशी में भारत-चीन सीमा से सटे पोलिंग बूथों का मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया निरीक्षण

उत्तरकाशी। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर उत्तरकाशी पंहुचे। उन्होंने भारत-चीन सीमा से सटे उत्तरकाशी जिले के सीमांत पोलिंग बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त हर्षिल पहुंचे, जहां उन्होंने सीमांत पोलिंग बूथ का निरीक्षण किया और बूथ लेवल अधिकारी मिंटो देवी से विस्तृत संवाद किया। उन्होंने मतदाता सूची के शुद्धिकरण, पात्र मतदाताओं के पंजीकरण और डिजिटल मॉनिटरिंग की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बीएलओ ऐप के माध्यम से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट और विदेशी मतदाताओं’ की पहचान कर मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीएलओ मिंटो देवी के कार्यों की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि दुर्गम सीमांत क्षेत्र में समर्पण और दक्षता के साथ किया जा रहा उनका कार्य पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जुटे सभी बीएलओ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के वास्तविक प्रहरी हैं और चुनाव आयोग उनके समर्पण को सलाम करता है।

विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा देशः डॉ. वीरेन्द्र कुमार

जबलपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार मध्य प्रदेश के जबलपुर में मदन महल स्थित कमेटी हॉल में आयोजित 19वें रोजगार मेले को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब तक देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 11.39 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेले में रेलवे, बैंकिंग, पोस्टल सहित विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। जबलपुर में 201 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। डॉ. कुमार ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, कौशल विकास और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने युवाओं को नई संभावनाएं प्रदान की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से देश के करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत-चीन सीमा व्यापार को लेकर तैयारियां तेज

पिथौरागढ़। भारत-चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा व्यापार को पुनः गति देने की दिशा में उत्तराखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी एक जून 2026 से प्रस्तावित सीमा व्यापार संचालन को लेकर पिथौरागढ़ जिलाधिकारी आशीष भटगाई की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सुरक्षा, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक सुविधाओं को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा हुई। सीमांत क्षेत्र गुंजी से लेकर धारचूला तक प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय करते हुए मोटर मार्गों और पैदल रास्तों की स्थिति, अस्थायी ट्रेड कार्यालयों की स्थापना, संचार नेटवर्क, परिवहन व्यवस्था और व्यापारियों के लिए जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया गया।

नासिक टीसीएस में धर्म परिवर्तन मामले में 1,584 पेज की चार्जशीट कोर्ट में पेश

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक की टीसीएस कंपनी धर्म परिवर्तन मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने नासिक जिला न्यायालय में 1,584 पेज की चार्जशीट पेश किया है। इस चार्जशीट में कुल 17 अहम गवाहों के बयान भी न्यायालय में पेश किए गए हैं। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि देवलाली कैंप पुलिस स्टेशन में 26 मार्च को एक अविवाहित पीड़िता की शिकायत पर तीन संदिग्धों दानिश शेख, तौसीफ अत्तर और निदा खान के खिलाफ दुष्कर्म और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का केस दर्ज किया गया है। मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए इस घटना की छानबीन के लिए तत्काल एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने दानिश और तौसीफ को 28 मार्च तक गिरफ्तार कर लिया था, जबकि फरार चल रही निदा खान को 7 मई की रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया था।

इस मामले में जांच के दौरान यह साबित हो गया है कि पहले से प्लान करके धर्म बदलने की कोशिश की गई थी, इसलिए विक्टिम के बैकग्राउंड की वजह से ‘एट्रोसिटीज़’ एक्ट के तहत और धाराएं लगाई गई हैं। मुख्य आरोपित दानिश शेख ने इगतपुरी के एक रिसॉर्ट में विक्टिम का सेक्शुअल असॉल्ट किया था, इसलिए उसे लोनावला भी ले जाया गया और वहां से ज़रूरी सबूत भी इकट्ठा किए गए। इस मामले की आरोपित निदा खान ने विक्टिम का ब्रेनवॉश करने के लिए सोशल मीडिया पर 171 अलग-अलग लिंक भेजे थे। यह डेटा साइबर एनालिसिस के ज़रिए ज़ब्त किया गया। विक्टिम के घर से महिलाओं के कपड़े और सस्पेक्ट के धर्म की धार्मिक किताबेंइकट्ठा की गई हैं, जिनसे पता चलता है कि उसने धर्म बदलने की कोशिश की थी। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

चीन में खनन दुर्घटना पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के शांक्सी प्रांत में हुई खनन दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि चीन के शांक्सी प्रांत में खनन दुर्घटना में लोगों की जान जाने से दुखी हूं। भारत की जनता की ओर से मैं राष्ट्रपति जिनपिंग और चीन की जनता के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में शोक संतप्त परिवारों को शक्ति मिले। साथ ही लापता लोगों के जल्द और सुरक्षित बचाव की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि चीन के उत्तरी प्रांत शांक्सी में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट में कम से कम 90 लोग मारे गए हैं जबकि कुछ लापता हैं।

अल्पसंख्यक सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल हुए राहुल गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी की पहल की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की पहली बैठक नई दिल्ली में कांग्रेस के नवनिर्मित मुख्यालय इंदिरा भवन में सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उपस्थित रहे। उन्होंने इस बैठक में देशभर के कांग्रेस पार्टी के नेताओं और साथ में विभिन्न सामाजिक क्षेत्रीय और अल्पसंख्यक पृष्ठभूमि के प्रतिनिधियों को एक साथ लाने की अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की इस पहल की सराहना की। अप्रैल के महीने में कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा ही एआईसीसी के अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की कमेटी का गठन किया गया है। आज इस बैठक में भारत के सामाजिक ताने-बाने और संवैधानिक मूल्यों के सामने बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने संविधान द्वारा प्रदत्त सद्भाव, बंधुत्व और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को कमजोर करने के सांप्रदायिक और विभाजनकारी ताकतों के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की मीटिंग के दौरान देशभर से आए अल्पसंख्यक नेताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि भाजपा की नफरत की सियासत के दिन जल्द लदने वाले हैं। पूरे देश में जिस तरह का आर्थिक संकट आने जा रहा है, उससे भाजपा की नफरत की राजनीति घुटनों पर आ जाएगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मुझे पता है आपको डराया जा रहा है, फंसाया जा रहा है लेकिन आप डरिये मत, मुल्क संविधान से चलेगा, मुहब्बत से चलेगा, कांग्रेस पार्टी पूरे देश में हर पीड़ित के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने अपील की कि आप सब लोग एक जुट होकर

अल्पसंख्य विभाग के साथ अपनी आवाज़ उठाइए, सियासत में हिस्सेदारी लीजिए और इमरान प्रतापगढ़ी के हाथों को और मजबूत करिए। बैठक के आयोजक इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मुस्लिम , ईसाई, जैन, बौद्ध, सिख सहित सभी माइनॉरिटी को निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन राहुल गांधी भाजपा की नफरत के खिलाफ पूरी ताकत से खड़े हैं ।

‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के 49 प्रतिशत फॉलोअर पाकिस्तान सेः सुकांत मजूमदार

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि व्यंग्यात्मक डिजिटल मंच ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के लगभग आधे सोशल मीडिया फॉलोअर पाकिस्तान से हैं। सुकांत मजूमदार ने कहा कि ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ का इंस्टाग्राम खाता अब निलंबित हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मंच के 49 प्रतिशत फॉलोअर पाकिस्तान से हैं, जबकि भारत से केवल नौ प्रतिशत फॉलोअर जुड़े हुए थे। यह विवाद पिछले सप्ताह उस समय शुरू हुआ था, जब भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की ओर से अदालत की सुनवाई के दौरान ‘कॉकरोच’ और ‘परजीवी’ संबंधी कथित टिप्पणियों को लेकर बहस छिड़ गई थी। बाद में प्रधान न्यायाधीश ने स्पष्ट किया था कि उनकी टिप्पणी फर्जी और अवैध डिग्री के सहारे कानूनी पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी और उसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया।

इस बीच ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के संस्थापक अभिजीत दिपके ने दावा किया कि संगठन के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा

कि इंस्टाग्राम पेज, उनका निजी इंस्टाग्राम खाता और संगठन का एक्स हैंडल या तो हैक कर लिया गया है या फिर रोक दिया गया है। अभिजीत दिपके ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि फिलहाल संगठन को अपने किसी भी मंच तक पहुंच नहीं है और इसके बाद किए जाने वाले किसी भी पोस्ट को आधिकारिक बयान नहीं माना जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर चलाए गए अभियान के कारण की गई है। दिपके ने कहा कि सरकार की विफलता के कारण एक छात्र की जान चली गई, लेकिन कार्रवाई शिक्षा मंत्री के खिलाफ होने के बजाय ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ पर की जा रही है। उल्लेखनीय है कि ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ ने बेरोजगारी, शिक्षा नीति और कथित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों पर व्यंग्यात्मक डिजिटल अभियान चलाकर पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की थी। दिपके ने यह भी दावा किया कि संगठन की वेबसाइट बंद कर दी गई है और अभियान शुरू करने के बाद से उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। हालांकि संगठन के बैकअप एक्स खाते ‘कॉकरोच इज बैक’ ने दावा किया कि कथित कार्रवाई के बावजूद अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है।

भाजपा और उसके ‘संगी-साथियों’ की गतिविधियों की भी हो कानूनी जांच - अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने भाजपा और उससे जुड़े ‘संगी-साथियों’ पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस तरह असली शस्त्रों के लाइसेंस की जांच होती है, उसी तरह देश, समाज और आपसी सौहार्द पर ‘अदृश्य शस्त्रों’ से हमला करने वालों की गतिविधियों की भी कानूनी पड़ताल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वकील और जनता सवाल उठा रहे हैं कि भाजपा नेताओं और उनके सहयोगियों के निर्माण, चंदे, संपत्तियों, विदेश दौरों और कथित गुप्त गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कर उनका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक किया जाए। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि असली शस्त्र के तो लाइसेंस बनते हैं लेकिन कुछ अदृश्य शस्त्र भी हैं, जो गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी प्रेम पर अंदर से बेहद घातक हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वकील कह रहे हैं कि लगे हाथों। भाजपाइयों के घर, दुकान, कार्यालय, प्रतिष्ठान के काग़ज़-नक्शे मँगाकर उनकी वैधता

भी जाँच ली जाए। साथ ही भाजपा और उनके संगी-साथियों द्वारा निर्माणों, आयोजनों व आपदाओं के नाम पर ‘जगह-जगह’ से बटोरे गये ‘तरह-तरह’ के चंदे-फ़ंड का हिसाब भी माँगा जाए और उनका ऑडिट हो। उन्होंने कहा कि हाँ जनता ये भी पूछ रही है कि इस बात का भी क़ानूनी पहलू समझाया जाए कि ‘अनरजिस्टर्ड’ लोग ज़मीन किसके नाम से लेकर अपना निर्माण करते हैं और ये संपत्तियाँ कैसे बेनामी नहीं हैं?

सपा प्रमुख ने कहा कि ?इसके अतिरिक्त जनता की जिज्ञासा ये भी है कि गुप्त-गतिविधियों में संलिप्त भाजपाई संगी-साथियों के ऐसे निर्माणों को ‘कार्यालय’ कहा जाए या ‘अड्डा अखिलेश यादव ने कहा कि इन ‘संगी-साथी’ अवैध लोगों का ख़र्चा-पानी कौन उठाता है? इसका कच्चा चिट्ठा तलाशकर खोला जाए। ये तथाकथित स्वदेशी ‘संगी-साथी’, विदेश भ्रमण करने क्यों जाते हैं उन्होंने कहा कि ये ‘संगी-साथी’ औपनिवेशिक समय से किसकी कठपुतली हैं इन ‘संगी-साथियों’ का इतिहास मुख़बिरी का क्यों रहा है ये ‘संगी-साथी’ सामाजिक सौहार्द क्यों बिगाड़ते हैं सपा प्रमुखअखिलेश ने कहा कि वकील ये भी पूछ रहे हैं कि अब ये ‘संगी-साथी’ किस नई साज़िश के तहत ‘मानस के मान’ पर लाठियां चलवा रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसके पहले बिजली व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया में लिखा कि भाजपा की गलत नीतियों की वजह से उप्र में जो असहनीय बिजली संकट चल रहा है, उसके लिए बिजली विभाग के कनिष्ठ कर्मचारियों या लाइनमैन पर जनता अपना गुस्सा न निकाले। बिजली विभाग के हज़ारों संविदा कर्मचारियों की छंटनी के बाद वो पहले से ही बहुत दबाव में काम कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी सेना जैसे संवेदनशील और गैर-राजनीतिक मुद्दे पर कर रही सस्ती राजनीतिः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना और अग्निवीर योजना पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के बयानों पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए इसे सस्ती राजनीति करार दिया है। भाजपा के मुताबिक संजय सिंह और आआपा सेना जैसे संवेदनशील और गैर-राजनीतिक मुद्दे पर सस्ती राजनीति कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने अपने एक बयान में कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं को सशक्त और सेना को आधुनिक बनाने वाला एक ऐतिहासिक कदम है।

सेना का मनोबल गिराने की सुनियोजित साजिश बताते हुए आर.पी सिंह ने कहा कि सेना ने स्पष्ट किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिन लोगों को शामिल किया गया था, उनमें से तीन को अनुशासनहीनता के कारण सेना से बर्खास्त या सेवामुक्त किया गया था और एक व्यक्ति भगोड़ा है। सेना ने बयान जारी कर कहा कि कुछ सांसद अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए सेना की छवि को धूमिल करने और जवानों के बीच फूट डालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है कि किस तरह से आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दल मिलकर सेना का मनोबल गिराने का प्रयास कर रहे हैं। यह सरासर निंदनीय है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें दो विपक्षी राज्यसभा सांसद मौजूद थे। मनोज झा और संजय सिंह के साथ तीन पूर्व फौजी भी मौजूद थे जिन्होंने अधिकारियों पर कई आरोप लगाए।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले रूबियो, डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिया व्हाइट हाउस आने का न्योता

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। रूबियो ने पीएम मोदी से द्विपक्षीय संबंधों, रणनीतिक सहयोग, व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान रूबियो ने पीएम को व्हाइट हाउस आने का न्योता भी दिया। पीएम ने लिखा, ‘अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत कर मुझे हार्दिक खुशी हुई। हमने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक कल्याण के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।’ चार दिवसीय दौरे पर भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल हुए। उन्होंने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुलाकात की अहमियत बताई।

गोर ने बताया, ‘रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया है! ‘दूसरे पोस्ट में उन्होंने कहा,

‘प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में विदेश सचिव रूबियो के साथ मैं भी शामिल हुआ। हमने सुरक्षा, व्यापार, और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर सार्थक चर्चा की। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो दोनों राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सोच को आगे बढ़ाते हैं। भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है ! ‘ मार्को रूबियो ने अपने भारत दौरे की शुरुआत कोलकाता से की। यहां उन्होंने ‘मिशनरीज ऑफ चैरिटी’ का भी दौरा किया, जिस पर गोर ने टिप्पणी की कि ऐसे पल ही हमें याद दिलाते हैं कि अमेरिका-भारत की साझेदारी न केवल मजबूत नीतियों पर टिकी है, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की भावना पर भी आधारित है। पिछले साल पदभार संभालने के बाद रूबियो की यह पहली भारत यात्रा है। वे शनिवार सुबह शहर में उतरे, यहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका विधिवत स्वागत किया। अमेरिकी विदेश मंत्री इस दौरे के दौरान आगरा और जयपुर भी जाएंगे।

रूबियो, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करने वाले हैं। इसके बाद वे मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस समूह का हिस्सा भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं। क्वाड बैठक 26 मई को नई दिल्ली में होनी है, जिसकी मेजबानी विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। इसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के अलावा ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल होंगे।

स्वस्थ भारत, विकसित भारत 2047 की सबसे मजबूत नींव हैः जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ‘स्वस्थ भारत, विकसित भारत 2047 की सबसे मजबूत नींव है।’ एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और कुशल डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) के 23वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि यह समारोह केवल डिग्री वितरण का कार्यक्रम नहीं बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत, समर्पण और संघर्ष का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज देश के हजारों युवा डॉक्टर चिकित्सा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जो आने वाले समय में भारत की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल अस्पतालों और इमारतों तक सीमित नहीं है बल्कि डॉक्टर ही स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक शक्ति हैं। ‘भवन और उपकरण स्वास्थ्य व्यवस्था का हार्डवेयर हैं, जबकि डॉक्टर उसका सॉफ्टवेयर हैं। उन्होंने कहा कि एनबीईएमएस ने चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता की नई पहचान बनाई है। एनबीईएमएस और शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्रों, मेडिकल जर्नलों और अकादमिक संसाधनों तक समान और आसान पहुंच उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत करेगी और देश में रिसर्च

द्वारा शुरू किए गए 11 नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इससे विशेष चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध होगा। समारोह के दौरान ‘वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन ’ पहल की भी शुरुआत की गई। यह पहल छात्रों, शिक्षकों संस्कृति को बढ़ावा देगी। जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश में मेडिकल शिक्षा एवं स्वास्थ्य अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले देश में केवल एक एम्स था जबकि अब 23 एम्स संस्थान कार्यरत हैं। सरकार सभी एम्स संस्थानों को दिल्ली के एम्स के स्तर तक विकसित करने की दिशा में काम कर रही है ताकि देशभर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 818 हो गई है। एमबीबीएस की सीटें बढ़कर लगभग 1.28 लाख तक पहुंच गई हैं, जबकि पीजी मेडिकल सीटों की संख्या 31 हजार से बढ़कर लगभग 85 हजार हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2029 तक 75 हजार नई यूजी और पीजी मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, जिनमें से लगभग 23 हजार सीटें पिछले दो वर्षों में पहले ही स्थापित की जा चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि सरकार ने वर्ष 2026 से 2029 के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और गुणवत्ता सुधार के लिए लगभग 15 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : आरोपित पति समर्थ को 7 दिन की पुलिस रिमांड, पासपोर्ट जब्त करने का आदेश

एजेंसी

भोपाल। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में उसके पति पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। भोपाल जिला कोर्ट ने मुख्य आरोपित और मृतका के पति समर्थ सिंह की 7 दिनों की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। इसके साथ ही कोर्ट ने ट्विशा के परिजनों की गुहार पर कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपित समर्थ सिंह का पासपोर्ट तत्काल जब्त करने के आदेश भी जारी कर दिया, ताकि वह देश छोड़कर भाग न सके।

इससे पहले रात करीब 2 बजे पुलिस आरोपित समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर आई थी और सुरक्षा के लिहाज से कटारा हिल्स थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कोर्ट में पेशी से पहले शनिवार सुबह जेपी अस्पताल में आरोपित का मेडिकल टेस्ट भी कराया गया। ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम रविवार को कराया जाएगा। इस हाई-प्रोफाइल केस की निष्पक्षता के लिए एम्स दिल्ली के चार वरिष्ठ डॉक्टरों की एक विशेष मेडिकल टीम गठित की गई है। यह टीम तमाम आधुनिक फॉरेंसिक उपकरणों के साथ शनिवार शाम 6 बजे राज्य सरकार के विशेष चार्टर्ड विमान से भोपाल के लिए रवाना हुई और देर रात यहां पहुंच जायेगी। इसके बाद डॉक्टरों की यह विशेष टीम दोबारा पोस्टमॉर्टम करेगी। वहीं, ट्विशा की सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह के वकील एडवोकेट ज्ञानेंद्र शर्मा ने कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए 7 दिनों की रिमांड मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। हालांकि हमने इसका विरोध किया था, क्योंकि समर्थ से बरामद करने के लिए कुछ नहीं है। फिर भी हमें कोर्ट के आदेश पर कोई आपत्ति नहीं है। रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद हम जमानत के लिए आवेदन करेंगे।इधर, ट्विशा के परिजनों ने सास गिरिबाला सिंह को मिल चुकी अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। परिजनों की ओर से भोपाल कोर्ट में गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया है, जिस पर अदालत सोमवार को सुनवाई करेगी। शनिवार दोपहर भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पुलिस इस पूरे मामले की अत्यंत गहराई और निष्पक्षता से जांच कर रही है। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस समर्थ सिंह से घटना वाली रात के घटनाक्रम, आपसी पारिवारिक विवाद, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल्स और उसकी फरारी के दौरान की कड़ियों को जोड़ेगी।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची (एजेंसी)। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, 'काम अभी पूरा नहीं हुआ' और उसके नीचे '10.10S' अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

ISSF विश्व कप में मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

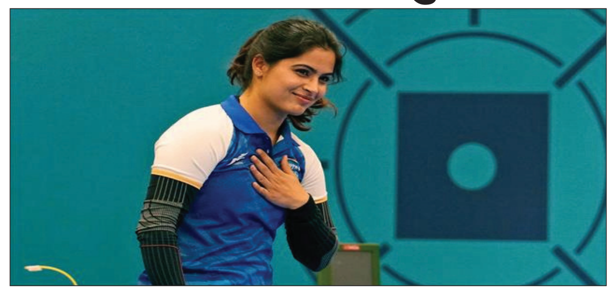

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले की अगुआई में 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम 24 से 30 मई तक जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले ISSF विश्व कप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेगी। म्यूनिख निशानेबाजी स्पर्धा राइफल और पिस्टल शूटर्स के लिए इस साल का दूसरा ISSF विश्व कप है।भारत ने पिछले महीने स्पेन के ग्रेनाडा में हुए पहले विश्व कप में मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

पेरिस 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के शामिल होने से म्यूनिख लेग से पहले इंडियन टीम मजबूत हुई है। दोनों ने ग्रेनाडा में हिस्सा नहीं लिया था।स्वप्निल ने दो साल पहले 50मी राइफल थ्री पोजीशन में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। वह अब अपनी पसंदीदा स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। मनु भाकर महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल और 25मी पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, इसके अलावा 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लेंगी। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और एशियन गेम्स मेडलिस्ट ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी टीम में वापस आ गए हैं, जबकि सरबजोत सिंह, जिन्होंने पेरिस 2024 में 10मी पिस्टल मिक्स्ड टीम कांस्य पदक के लिए, मनु के साथ पार्टनरशिप की थी, बाहर बैठेंगे।

भारत की पुरुषों की 10मी एयर पिस्टल लाइन-अप में वर्ल्ड चैंपियन सम्राट राणा शामिल हैं। सुरुचि सिंह, जो 2025 में तीन बार आईएसएसएफ वर्ल्डकप विनर और वर्ल्डकप फाइनल चैंपियन रह चुकी हैं, महिलाओं और मिक्स्ड 10मी एयर पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ओलंपियन ईशा सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीता था, 10मी और 25मी पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ड्रुस्डन विश्व कप में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता साल के आखिर में होने वाले ड्रुस्डन विश्व कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है, जो दिसंबर में इटली के रोम में होगा।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

–वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है– जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। टीम के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने तेज 32 रन और दसुन शनाका ने 29 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं रवींद्र जडेजा ने नाबाद 19 और नंद्रे बर्गर ने 3 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 विकेट हासिल किए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए। हालांकि सूर्यकुमार यादव ने 60 रन और हार्दिक पंड्या ने 34 रनों की तेज़ पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। विल जैक्स ने भी 33 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत के हीरो जोफ्रा आर्चर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 3 विकेट झटके। ब्रिजेश शर्मा और यश पुंजा ने 2-2 विकेट लेकर मुंबई की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राजस्थान ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋषभ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋषभ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उतरेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋषभ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋषभ को कप्तानी खोनी पड़ रही है।

ऋषभ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभवित हो रही है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ–साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा। अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

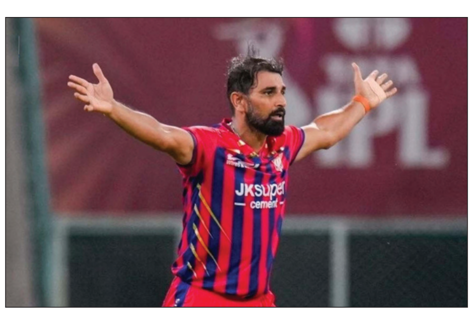

लखनऊ । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

– बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफाराज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफाराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2–0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नवेद चीमा और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे। सरफराज ने विशेष रुप से बल्लेबाजों पर निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता। ।पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अवैस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामलों पर भी सवाल उठाये। गौरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थे पर बाद में, उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यायद ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

श्रेयस अय्यर ने बनाया खास रिकॉर्ड, आईपीएल में लक्ष्य हासिल करते हुए शतक लगाने वाले चौथे कप्तान बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (PBKS) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में रन चेज करते हुए सेंचुरी बनाने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मैच में अय्यर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन के साथ IPL की एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 51 गेंदों में 101* रन बनाए जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 198.04 रहा।

इससे पहले रन चेज़ करते हुए शतक लगाने वाले कप्तान वीरेंद्र सहवाग (2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 119 रन), विराट कोहली (2016 में राइजिंग पुणे सुपर जायंट के खिलाफ 108* रन) और संजू सैमसन (2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 119 रन) थे। अय्यर, केएल राहुल (2020 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 132*) और एडम गिलक्रिस्ट (2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 106 रन) के बाद IPL में शतक लगाने वाले तीसरे PBKS कप्तान भी बन गए हैं। इतना ही नहीं अय्यर ने टी20 क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए हैं। अब तक 254 टी20 मैचों की 247 पारियों में अय्यर ने 35.02 की औसत और 135 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 7,076 रन बनाए हैं जिसमें चार सेंचुरी और 48 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा IPL सीजन में अय्यर ने 13 पारियों में 55.33 की औसत और 168.01 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 101* है। पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए अय्यर ने 31 मैचों की 30 पारियों में 52.47 की औसत और 172 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1102 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो PBKS ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जोश इंग्लिस (44 गेंदों में 72 रन, 9 चौके और दो छक्के), आयुष बडोनी (18 गेंदों में 43 रन, 5 चौके और 3 छक्के) और अब्दुल समद (20 गेंदों में 37* रन, तीन चौके और तीन छक्के) की तूफानी पारियों की बदौलत टीम 20 ओवरों में 196/6 के स्कोर तक पहुंच गई। PBKS की तरफ से युजवेंद्र चहल (2/25) और मार्को जानसेन (2/33) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर (51 गेंदों में 101* रन, 11 चौके और 5 छक्के) और प्रभसिमरन सिंह (39 गेंदों में 69 रन, सात चौके और दो छक्के) टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने टीम को एक बेहद जरूरी जीत दिलाई जिससे उनकी लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला टूट गया। टीम ने 7 विकेट और दो ओवर शेष रहते यह जीत हासिल की।

PBKS पॉइंट्स टेबल में 7 जीत और छह हार के साथ 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर वापस आ गई है। अगर आज राजस्थान रॉयल्स (RR) मुंबई इंडियंस (MI) को हरा देती है तो PBKS टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी और RR 16 अंकों के साथ चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर लेगी। अगर RR हार जाती है, तो कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को दिन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि वे नेट-रन-रेट के मामले में PBKS से आगे निकल सकें और 15 अंकों के साथ उनकी बराबरी करके चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर सकें। अब पंजाब किंग्स की किस्मत इन दो मैचों पर निर्भर है।

आईपीएम की चौथी टीम के लिए रॉयल्स सबसे बड़ी दावेदार

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में जहां प्लेऑफ के लिए लिए पहले तीन स्थान तय हो गये हैं। वहीं चौथे स्थान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मुकाबला है। इन तीनों में से, राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके पास अपने बल पर प्लेऑफ में पहुंचने का सबसे अच्छा अवसर है। यदि राजस्थान मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा देती है, तो सीधे शीर्ष 4 में पहुंच जाएगी। वहीं अगर वह यह मैच हार जाते हैं, तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टक्कर होगी और इसमें नेट रन रेट से फैसला होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्लेऑफ्स का रास्ता थोड़ा जटिल है और कई समीकरणों पर निर्भर करता है। उन्हें न सिर्फ अपने आखिरी मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को हर हाल में हराना होगा, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स को हरा दे। वहीं पंजाब किंग्स पहले ही अपने सभी लीग मुकाबले खेल चुकी है और उसके 15 अंक हैं।

‘तुम्बाड’ यूनिवर्स में हुई आलिया भट्ट की एंट्री!

फिल्म ‘तुम्बाड 2’ अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही ‘तुम्बाड 2’ का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर ‘तुम्बाड 3’ में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह ‘लव एंड वॉर’ की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी ‘तुम्बाड 2’

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही ‘तुम्बाड 2’ पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। ‘तुम्बाड 2’ 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

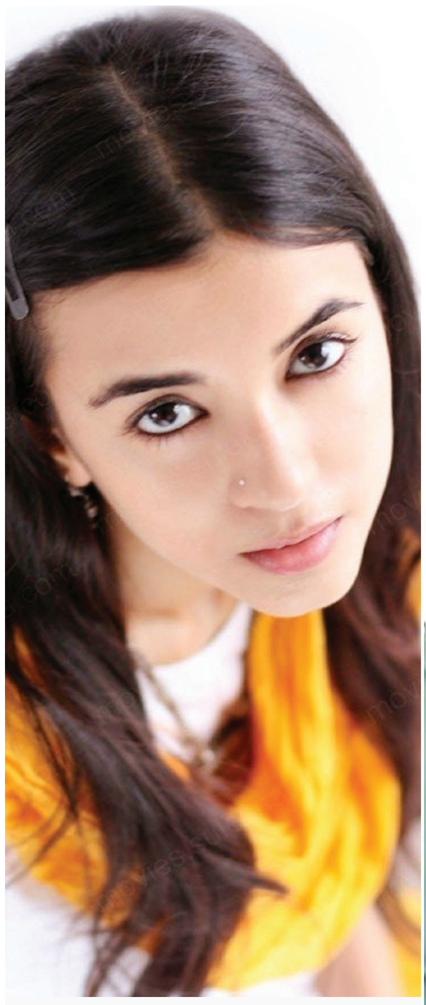

कॉमेडी-ड्रामा सीरीज ‘हूज योर गायनिक सीजन 2’ में नजर आएंगी सबा आजाद

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज ‘हूज योर गायनिक सीजन 2’ में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे ‘डॉ. विदुषी कोठारी’ की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, ‘सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा। समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।‘

जब अभिनेत्री से सवाल पूछा, ‘आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है?‘

इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, ‘महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है।’ उन्होंने आगे लिखा, ‘हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं। अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है।’ सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, ‘सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।‘

‘लुटेरी दुल्हन’ में खास किरदार निभाएंगी पूजा गौर

अभिनेत्री पूजा गौर जल्द ही एक नई वेब सीरीज ‘लुटेरी दुल्हन’ में नजर आएंगी। इस सीरीज में उन्होंने सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव का किरदार निभाया है, जो एक निडर और हिम्मती अधिकारी हैं। कहानी में वह मध्य प्रदेश में हो रहे कुछ अजीब और अनोखे अपराधों की जांच करती है। इस सीरीज में संध्या यादव के किरदार में पूजा गौर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं।

पूजा गौर ने बताया कि उन्हें अपना यह किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि इसमें बहुत भावनाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, ‘संध्या बाहर से जितनी सख्त और निडर दिखती है, अंदर से वह समाज के तानों, लोगों की उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रही है।’

पूजा ने आगे कहा, ‘वह सिर्फ एक केस नहीं सुलझा रही, बल्कि पुरुषों के वर्चस्व वाली इस दुनिया में महिलाओं को कमतर आंकने की सोच के खिलाफ अपनी पहचान की लड़ाई भी लड़ रही है।’ पूजा ने आगे बताया कि सीरीज में उनके (संध्या) और ‘माया’ नाम के किरदार के बीच का तालमेल बहुत दिलचस्प है। दोनों कानून के अलग-अलग तरफ खड़ी हैं।

पूजा गौर ने शेयर किया ट्रेलर

पूजा गौर ने सोशल मीडिया पर इस सीरीज का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि हर गायब होने वाली दुल्हन के पीछे एक झूठ छिपा है और वह इस सच को सामने लाकर रहेंगी। ‘लुटेरी दुल्हन’ से पहले पूजा गौर को साकिब सलीम के साथ क्राइम ड्रामा सीरीज ‘कप्तान’ में देखा गया था। पूजा गौर को ‘मन की आवाज प्रतिज्ञा’ सीरियल से काफी प्रसिद्धि मिली है।

शाहिद कपूर की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं जान्हवी कपूर

शाहिद कपूर जल्द ही एक नई और मजेदार फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा कर रहे हैं, जो ‘बधाई हो’ और ‘मैदान’ जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। जानिए इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ बनेगी? शाहिद की आगामी फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो बॉडी स्वैपिंग पर आधारित होगी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। इसकी कहानी इटली की एक पुरानी फिल्म ‘हस्बैंड एंड वाइफ’ से मिलती-जुलती है। इसमें एक पति-पत्नी तलाक की कगार पर हैं। एक वैज्ञानिक का प्रयोग गलत हो जाता है और दोनों का शरीर आपस में बदल जाता है। अब पति पत्नी के शरीर में और पत्नी पति के शरीर में रहकर एक-दूसरे की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। इस दौरान वे हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। फिल्म में कॉमेडी और परिवार का ड्रामा सब कुछ होगा।

कौन होगी शाहिद की अभिनेत्री?

शाहिद कपूर ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। अभी मुख्य अभिनेत्री का रोल फाइनल नहीं हुआ है। बहरहाल, इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर से बात चल रही है। अगर जान्हवी कपूर ने काम किया तो यह शाहिद के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 के बीच में रिलीज किया जा सकता है।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित ‘जी भोजपुरी 2026’ समारोह में उनकी फिल्म ‘कलेक्टर साहिबा’ के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और ‘बहुमुखी अभिनेत्री’ के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, ‘जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।’ अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, ‘जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।’

इश्तियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

चॉकलेटी इमेज से बाहर निकलना आसान नहीं था

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में एक्शन-स्पोर्ट ड्रामा सीरीज ‘ग्लोरी’ में नजर आए हैं। इस सीरीज में पुलकित बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं। उन्होंने बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए पुलकित ने खुद को फिजिकल और मेंटल तौर पर काफी तैयार किया है। अमर उजाला से बातचीत में पुलकित ने ‘ग्लोरी’ में अपने किरदार, तैयारी और अनुभव को लेकर विस्तार से बात की।

पुलकित ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, ‘इस किरदार के लिए सबसे जरूरी चीज ईमानदारी थी और मैंने पूरी सच्चाई के साथ इस पर काम किया। जो कहानी कागज पर लिखी होती है, उसमें अपनी एक जान होती है और उसी को महसूस करके निभाना पड़ता है। शरीर को बदलना भी आसान नहीं था। पहले भी फिट रहा हूं, लेकिन एक खिलाड़ी जैसा दिखने के लिए आपको सच में उसी तरह की जिंदगी जीनी पड़ती है। सिर्फ बॉक्सर जैसा दिखना काफी नहीं है, आपको बॉक्सर बनना पड़ता है।’

कड़ी ट्रेनिंग और टीम का साथ

इस किरदार की तैयारी को लेकर पुलकित ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हैंड ग्लव्स पहनने के बाद तो मैं सच में उसी दुनिया में जी रहा था। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि जितनी मेहनत मैंने की, उसे सही तरह से दिखाने के लिए हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम और शानदार निर्देशक थे। इसलिए नतीजा भी अच्छा आया है। दिन में दो से तीन बार ट्रेनिंग होती थी, जिसमें एक्सरसाइज, फिजियोथेरेपी और बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। खास तौर पर स्पीड और रिएक्शन पर काम किया, क्योंकि बॉक्सर्स की यही ताकत होती है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर था कि कोई चोट न लगे, ताकि शूट न रुके। मेरी पूरी टीम ने पूरा साथ दिया। सेट पर भी बॉक्सिंग कोऑर्डिनेटर मानस हर समय मेरी फॉर्म पर नजर रखते थे।

पुलकित ने बॉक्सिंग के मानसिक पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, ‘जब हम बॉक्सिंग की बात करते हैं, तो दिमाग में गुस्सा, पंच और एक-दूसरे को हराने की तस्वीर आती है। लेकिन रिंग में उतरकर समझ आता है कि यह बिल्कुल आसान नहीं है। रिंग के अंदर यह पूरी तरह दिमाग का खेल होता है। यह शतरंज की तरह है, जहां आपको सामने वाले खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका समझना होता है, उसकी कमजोरियां पकड़नी होती हैं। उसे गलती करने पर मजबूर करना होता है। साथ ही सामने वाला भी आपके साथ यही कर रहा होता है। अगर आप पूरा बॉक्सिंग मैच देखें, तो समझ आएगा कि दोनों खिलाड़ी लगातार एक-दूसरे को पढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। यह धैर्य और फोकस का खेल है।’ अभिनेता ने आगे कहा कि बॉक्सिंग ने मुझे फोकस करना सिखाया है। पहले मैं ध्यान के लिए आंखें बंद करके बैठता था, लेकिन अब मैं सीधे स्पीड बैग के पास जाता हूं और पंद्रह मिनट उसी पर लगा रहता हूं। उस समय मेरा ध्यान कहीं और नहीं जाता। इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और कई बातें ऐसी हैं, जिन्हें मैं अपनी असल जिंदगी में भी अपनाता हूं।

ग्लोरी मेरे करियर का गेम चेंजर

‘ग्लोरी’ को अपने करियर का गेम चेंजर बताते हुए पुलकित ने कहा कि ग्लोरी मेरे लिए लाइफ चेंजिंग भी है, गेम चेंजिंग भी और करियर के हिसाब से बहुत फुलफिलिंग है। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने जो किया है, वह सही किया है। मैं हमेशा उम्मीद के साथ काम करता हूं, लेकिन इस बार मैं काफी संतुष्ट और बहुत खुश हूं।

वेलवेट का स्टाइलिश फैक्टर

पुरुषों में वेलवेट

70 के दशक में एक्टर इफ्तिखार ने वेलवेट का स्मोकी जैकेट पहना था। उसके बाद कुछ दिनों तक इसका क्रेज रहा, लेकिन धीरे-धीरे वेलवेट के जैकेट का क्रेज कम होता गया। अभी हाल में अभिषेक बच्चन ने भी वेलवेट का जैकेट पहना था, लेकिन ड्रेससेंस से यह मैच नहीं खा रहा था। जबकि ऋतिक रोशन के ऊपर वेलवेट का यह जैकेट खूब फब रहा था। पुरुषों को वेलवेट का जैकेट पहनते समय अपना हेयरस्टाइल और पर्सनाल्टी देखना चाहिए।

कोई भी चीज एकदम में समाप्त नहीं हो जाती, खासकर फैशन में तो बिल्कुल नहीं। यह अलग बात है कि कुछ समय के लिए किसी भी फैशन का ट्रेंड समाप्त हो जाए, लेकिन वह एक बार फिर उसी लुक में या कुछ बदलाव के बाद नए लुक में दोबारा आता है। वेलवेट के साथ भी यही हुआ। 70-80 के दशक में धूम मचाने के बाद यह एक बार फिर से लौटा आया है।

परंपरागत भारतीय ड्रेस

सूट, लहंगा और साड़ी में वेलवेट के इस्तेमाल का चलन इन दिनों काफी बढ़ गया है। चाहे वह एप्लीक वर्क के रूप में हो या फिर बॉर्डर को सजाने में। वेलवेट एक रिच फैब्रिक है और लंबे समय बाद ट्रेंड में है। साड़ी के बॉर्डर से लेकर अनारकली सलवार-कमीज तक यह खूब पसंद किया जा रहा है। वेलवेट के इस ड्रेस को सिलेब्रिटीज भी खूब पसंद कर रहे हैं।

वेलवेट का आधुनिक तड़का

ड्रेस डिजाइनर मानते हैं कि, वेलवेट ट्रिमिंग इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। लोग अब नेट की साड़ी या दुपट्टे पर एक इंच का वेलवेट बॉर्डर चाहते हैं। किसी और समय के मुकाबले इसकी मांग इन दिनों सबसे ज्यादा है। मार्केट में इन दिनों कई तरह के वेलवेट उपलब्ध हैं। जिनमें पॉलिस्टर, विस्कोस और सिल्क हैं। इनमें सिल्क सबसे ज्यादा चमकदार और खर्चीला होता है। वैसे विस्कोस भी सिल्क जैसा ही प्रभाव पैदा करता है, वह भी कम खर्च में। वेलवेट में 'बर्न्ट-आउट वेलवेट भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह एक सिल्क जॉर्जेट फ्रेबिक है, जिस पर लाइक्रा और वेलवेट की थोड़ी सी इम्बॉसिंग होती है। यदि आपका ड्रेस एक चौड़े बॉर्डर वाला हो तो यह उस पर खूब फबता है। कुछ लोग कुंदन के काम वाले फुल वेलवेट शेरवानी और जैकेट भी पसंद करते हैं।

क्या है खास

साड़ी के पल्लू और ब्लाउज में वेलवेट वर्क काफी पसंद किया जाता है। वैसे, वेलवेट ब्लाउज तभी अच्छा लगता है, जब इसमें कम फैब्रिक यूज हो और इसका डिजाइन, कलर व वर्क साड़ी से ज्यादा हाइलाइट न हो। इन दिनों यह सूट-सलवार में भी खूब यूज हो रहा है। एक प्रभावी चौड़े वेलवेट बॉर्डर वाला सूट या लहंगा लंबे लोगों पर काफी फबता है।

ऑफ शोल्डर ड्रेसेज

ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने के लिए सबसे जरूरी है कि आप उसे एलिगेंट ज्वैलरी और परफेक्ट मेकअप के साथ कंबाइन करें।
फैशनेवल लुक के लिए ड्रेस को लंबी इयररिंग्ज और फंकी नेकलेस के साथ पहनें।
मेकअप को कम से कम रखें और बालों को बांध लें, ताकि फोकस आपके शोल्डर्स पर रहे।
इवनिंग लुक के लिए ड्रेस को ब्रच और शैनडलेयर्स के साथ कंबाइन करें।
छोटे कद की स्त्रियों को ऑफ शोल्डर ड्रेसेज पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें उनका कद और छोटा लग सकता है।
जिनकी बांहें अधिक हेवी हैं, उन्हें भी ऑफ शोल्डर ड्रेसेज नहीं पहनना चाहिए।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि आपके आर्म्स और अंडर आर्म्स ठीक तरह से वैक्ज्ड और मॉयश्चराइज्ड हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने से कुछ दिन पहले अर्म्स और शोल्डर्स को टोन करने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज भी कर सकती हैं।
ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनते समय सही सपोर्ट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप सही इनरवेयर का चयन करें।
ग्लैमर लुक के लिए शोल्डर व नेक पर टैटू का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

सिलेब्रिटीज को है पसंद

वेलवेट की दीवानगी बहुत ज्यादा नहीं रही है। पिछले दिनों माधुरी दीक्षित, उर्मिला मातोंडकर, रानी मुखर्जी और ऐश्वर्या राय जैसी अभिनेत्रियां वेलवेट से बने परंपरागत ड्रेस में नजर आईं। वेलवेट का इस्तेमाल ज्यादातर परंपरागत ड्रेस लहंगा, सलवार कमीज और साड़ी में होता है। इनमें कशीदकारी बहुत ही बारीक और सुंदर रूप से उभर कर आती है। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लंबे व स्ट्रेट वेलवेट कुर्ते पहने थे, जिसे लोगों ने ज्यादा नोटिस नहीं किया था। लेकिन कुछ समय तक ब्राइडल आउटफिट्स का पार्ट रहने के बाद यह फैब्रिक मेनस्ट्रीम ड्रेसेज का पार्ट हो गया है। वैसे इस फैब्रिक को बॉलीवुड से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

लेदर एंक्लेटस

टॉम बाय पर्सनैलिटी की लड़कियों को लेदर का एंकलेट्स बहुत खूबसूरत लगता है। यदि आप लेदर का एंकलेट्स पहन रहीं हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह बहुत चौड़ी न हो नहीं तो यह आप के लुक को डाउन कर देगा।

एंक्लेट्स का ट्रेंडी फंडा

एक समय पैरो में सजी पायल और उससे निकले वाली मधुर ध्वनि सबको अपनी आरे आकर्षित करती थी लेकिन अब इसका फैशन पुराना पड़ गया है। आजकल एंक्लेट चलन में है। कॉलेज गोइंग गर्ल्स आज पायल की जगह एंक्लेट पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।

एक पैर में पहना जाने वाला यह एंक्लेट कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। स्टाइलिश लुक के लिए कई तरह की एंक्लेट्स मार्केट में है। आप इन्हें अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से चूज कर सकती हैं। आइए जानते हैं तरह-तरह के एंक्लेट्स के बारे में।

ऑरनामेंटल हैं खास

क्रिस्टल के बने एंकलेट्स बहुत ही खूबसूरत होने के साथ स्टाइलिश भी होते हैं। इसे पहनने के बाद आपको किसी तरह की खास एक्सेसरीज की जरूरत नहीं है। सिंपल और सोबर ड्रेस के साथ आप इसे पहन सकती हैं। ब्लैक, वाइट और ग्रे कलर के आउटफिट के साथ ये ज्यादा खूबसूरत लगती हैं।

चेन से सिंपल लुक

सिंपल एंकलेट्स की मार्केट में बहुत सी वैरायटी है। इसमें आप चाहें तो सिंगल लेयर से लेकर चार लेयर तक की एंकलेट्स का यूज कर सकती हैं। एंकलेट्स के साथ ही नेकलेस पहनना बेहतर रहता है। सिंपल एंकलेट्स शॉर्ट स्कर्ट और कैप्री पर पहनने से लुक काफी ग्लैमरस हो जाता है।

बीड्स एंकलेट्स

इस तरह के एंकलेट्से की खासियत है कि आप इसे किसी भी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये एंकलेट्स आपको सिंपल लुक देती हैं। इन्हें पहनते समय ध्यान रखें कि ज्यादा मेकअप और जूलरी न पहनें। बीड्स का रंग आपकी ड्रेस से मेल खाता हुआ होना चाहिए इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

पर्श पर भी नहीं है भारी

इन एंकलेट्स की सबसे खास बात यह है कि इनकी कीमतें सभी लोगों की पहुंच में हैं। यह लोकल मार्केट में ये 20 से लेकर 50 रुपये तक है। वहीं बड़ शोरूमों में इनकी कीमतें 200 से लेकर 500 रुपये तक है।

पैर भी लगें स्टाइलिश

ड्रेस कोई भी हो लेकिन गर्ल्स एंक्लेट पहनना नहीं भूलती। इन दिनों कैप्री के साथ इसका चलन अधिक हो गया है। एंक्लेट पहनने से पैरों की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है। बीबीए स्टूडेंट डिंपल कहती हैं कि एंक्लेट कैप्री या शॉर्ट स्कर्ट के साथ पहना जाए तो डिफरेंट लुक देता हैं साथ ही साथ पैरों की खुबसूरती भी बढ़ जाती है।

ये हैं फेवरेट स्टाइल

थीन वायर एंक्लेट, छोटी बीड एंक्लेट, मल्टी कलर एंक्लेट,चोटी स्टाइल एंक्लेट, गोल्डेन, सिल्वर चेन एंक्लेट, बंधेज स्टाइल, मैटल स्टाइल, क्रिस्टल स्टाइल, शो-पीस घुंघरू स्टाइल।

कलरफुल एंक्लेट्स

फिलहाल कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर महिलाएं भी मैचिंग तथा कलरफुल एंक्लेट्स पहनने लगी हैं। वैसे कलरफुल एंक्लेट्स को हर ड्रेस पर पहना जा सकता है।

नग वाला एंकलेट्स

नए वाला एंकलेट्स अभी-अभी मार्केट में आया है लेकिन इसकी मांग सबसे अधिक है। नग एंकलेट्स को साड़ी, सूट और अन्य ड्रेस के मैचिंग को ध्यान में रखकर पहना जा सकता है। नग वाली एंकलेट्स मल्टी कलर में भी मिलती है। मल्टी कलर का एंकलेट्स सभी ड्रेसेज पर पर फबता है। और यदि डार्क कलर हो तो कहना ही क्या। हैवी नग वाली एंकलेट्स को शादी, पार्टी जैसे मौकों पर पहन सकती है। इसमें सिंगल से लेकर पांच लेयर तक की एंकलेट्स है जो आप अपनी जरूरत के मुताबिक खरीद सकते है।

सब्जियां जो स्वाद बनाएं बेहतर

आप रोजाना घर में सब्जियां बनाते-बनाते परेशान हो गई हैं, लेकिन घर के सदस्यों को स्वाद बढ़िया नहीं लगता। रोज-रोज की झंझट में क्या बनाएं, क्या न बनाएं, कुछ समझ नहीं आता। आइए, हम सब्जियों की रेसिपी बताते हैं, जिससे आप सब्जियां बनाकर न केवल परिवार का दिल जीत लेंगी, वरना आपको भी इनका स्वाद बढ़िया लगेगा।

पालक पनीर

सामग्री – डेढ़ कप पालक, 500 ग्राम पनीर, एक चम्मच अदरक, एक चम्मच लहसुन, आधा कप प्याज (कसा हुआ), एक कप टमाटर (कटा हुआ), आधा कप प्याज, एक कप टमाटर (बारीक कटा हुआ), एक चम्मच जीरा, चौथाई चम्मच गर्म मसाला, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार और एक चौथाई कप तेल।

विधि – तेल गर्म करें और उसमें जीरा मिला दें। जब यह चटकने लगे, तो इसमें अदरक व लहसुन का पेस्ट मिलाएं। इसमें प्याज मिला दें और सभी चीजों को ब्राउन होने दें। इसमें टमाटर मिलाकर मध्यम आंच पर भूनें। अब इसमें गर्म मसाला, नमक और लाल मिर्च पाउडर मिला दें। इसमें पालक को मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करने के बाद पनीर मिला लें। पांच मिनट तक हल्की आंच पर रहने दें और गर्मागर्म सर्व करें।

पालक-मंगोड़ी

आवश्यक सामग्री – पालक – 750 ग्राम (एक बन्च) चीनी – आधा छोटी चम्मच मूंग दाल की मंगोड़ी – 100 ग्राम (एक कप) टमाटर – 4 (मीडियम आकार के) हरी मिर्च – 1-2 अदरक – 1 इंच लम्बा टुकड़ा तेल – 2 टेबल स्पून हींग – 1 पिंच जीरा – आधा छोटा चम्मच खड़ा मसाला हल्दी पाउडर – एक चौथाई छोटी चम्मच क्रीम या ताजा मलाई – 2 टेबल स्पून(यदि आप चाहें) बेसन – एक टेबल स्पून नमक – स्वादानुसार (1 छोटी चम्मच) लाल मिर्च – 1/4 छोटी चम्मच (यदि आप चाहें) हरा धनियां – 2 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

विधि – पालक के पत्तों से डंडिया हटा कर अलग कर दीजिए। पत्तों के पानी में अच्छी तरह डुबा कर 2 बार धो कर छलनी में या थाली में तिरछा करके रख दीजिए और पालक के पत्ते से पानी निकल जाने दीजिए। पालक के धुले पत्ते को किसी बर्तन में डालिए, आधा कप पानी और चीनी डाल कर, मध्यम आग पर उबालने के लिए ढंककर रख दीजिए। 8-10 मिनट में पालक उबल जाता है। आग बन्द कर दीजिए। कढ़ाई में 1 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए, गरम तेल में, मूंग दाल की मंगोड़ी डाल कर मध्यम आग पर हल्की ब्राउन होने तक भून लीजिए, भुनी मगोड़ी को प्याले में निकाल कर अलग रख लीजिए। अब मसाले में क्रीम डालिए और 2 मिनट और भून लीजिए भुने मसाले में मगोड़ी, डेड़ कप पानी, भुना हुआ बेसन और नमक डालकर, ढंककर, धीमी आग पर पकने दीजिए। मंगोड़ी नरम हो जाने पर पिसा पालक डालिए। अगर पानी कम लग रहा हो तो आवश्यकतानुसार और पानी मिला दीजिए। सब्जी में उबाल आने के बाद 2-3 मिनट सब्जी को पकने दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए। सब्जी में गरम मसाला और हरा धनियां डाल कर मिला दीजिए। पालक मगोड़ी की सब्जी तैयार है। पालक मगोड़ी की सब्जी को प्याले में निकालिए और ऊपर से थोड़ी सी क्रीम डाल कर सजाइए। गरमा गरम पालक मंगोड़ी की सब्जी चपाती, नान या चावल के साथ परोसिए और खाइए।